RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 144 , मंगलवार, 07 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा, 10 प्रतिभागी ... 03

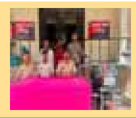
तीन साल पहले लूटी गई बाइक बरामद; दो गिरफ्तार 04

पवन कल्याण की ओजी 2 में पूजा हेगड़े होंगी शामिल? लग सकता... 07

संक्षिप्त समाचार

चन्नी-वड़िंग की लड़ाई कांग्रेस को पड़ रही भारी

- पंजाब में चुनाव से पहले ही संकट में फंसी पार्टी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस एक बार फिर उसी दौर से गुजरती दिखाई दे रही है, जिसने 2021 में पार्टी को गहरे राजनीतिक संकट में डाल दिया था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच चली लंबी खींचतान ने कांग्रेस की सरकार को कमजोर कर दिया था। अब 2026 में हालात फिर कुछ वैसे ही नजर आ रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के बीच दिखाई दे रही है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या कांग्रेस एक बार फिर अपनी पुरानी गलतियां दोहराने जा रही है।

दोनों नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई– पंजाब कांग्रेस में संगठन के हालिया पुनर्गठन के बाद असंतोष खुलकर सामने आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थक लगातार संगठन में बदलाव और नेतृत्व को लेकर सवाल उठा रहे हैं। मोरिंडा स्थित चन्नी के आवास पर पूर्व विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर एक मजबूत असंतुष्ट खेमा सक्रिय हो चुका है। दूसरी ओर, प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग लगातार विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं का समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। **2021 में भी इसी दौर से गुजरी थी कांग्रेस–** मौजूदा घटनाक्रम काफी हद तक 2021 की परिस्थितियों से मेल खाता है। उस समय भी पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर लंबी खींचतान चली थी।

बिहार में तय समय पर होंगे पंचायत चुनाव

- पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने किया ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर हलचल शुरू हो गई है। थर्ड राउंड के पदवार आरक्षण की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं होने की वजह से कहा जा रहा है कि इस बार पंचायत चुनाव तय समय यानी दिसंबर 2026 शायद ही पूरा हो सके। हालांकि बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने साफ कर दिया कि बिहार में समय पर पंचायत चुनाव होंगे। इसके साथ ही आरक्षण रोस्टर भी लागू रहेगा। आरक्षण के रोस्टर को लेकर पूछे गए सवाल पर बिहार के दीपक प्रकाश ने कहा कि आरक्षण का पिछला रोस्टर लागू हुए 10 साल हो गए हैं। प्रावधान के मुताबिक कानूनन 10 साल के बाद आरक्षण का नया रोस्टर लगू करना है। तो इस बार जो पंचायत चुनाव, 2026 में उसमें नया रोस्टर लगू किया जाएगा।

आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को बनाया आधार– बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश कुशवाहा ने बताया कि आरक्षण के रोस्टर को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश में सारा काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी जगह जनसंख्या का प्रकाशन किया गया है। आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को आधार बनाया है। इसके हिसाब से ही आरक्षण का रोस्टर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण के लिए कुल आबादी में से उस आबादी की प्रतिशत देखा जाएगा, जिसे आरक्षण दिया जाना है। दीपक प्रकाश ने कहा कि अतिपिछड़ा समाज के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है, महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया जाता है। और बाकी जो बचती हैं, वो अनारक्षित सीटें हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण का रोस्टर बदलने का मतलब ये नहीं कि अभी हर एक सीट पर जो व्यवस्था की गई है, वो बदल जाए, लेकिन रोस्टर व्यापक स्तर पर बदलेगा।

एमपी में सभी के लिए अब होगा एक ही कानून

● सीएम बोले-इसी महीने आएगा यूनिफॉर्म सिविल कोड ● कहा-सतगढ़ी इंडस्ट्रियल पार्क से देंगे 15 हजार रोजगार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- एमपी में इसी महीने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) आएगा। हिंदू भाई एक शादी करता है और सात फेरे लेता है, तो सभी के लिए ऐसा ही कानून होना चाहिए। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है। वह फिर दावा करेगी कि यह कानून किसी धर्म विशेष के खिलाफ है। कांग्रेसियों को याद रखना चाहिए कि एक समान नागरिक संहिता हर हाल में लागू की जाएगी। इसके लिए प्रदेश की जनता से राय ली गई है। 10 लाख से अधिक सुझाव मिले हैं। हम चाहते तो सीधे विधानसभा में कानून ला सकते थे, लेकिन जनता की राय के आधार पर फैसला कर रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव ने यह बात सोमवार को भोपाल के सतगढ़ी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमिपूजन करने के बाद कही।

- **वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित होगा इंडस्ट्रियल पार्क-** सीएम ने कहा- करीब 173 एकड़ में बनने वाला यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यहां उद्योगों के साथ कर्मचारियों के रहने, कौशल विकास और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे उद्योगों को बेहतर माहौल मिलेगा और निवेश की उम्मीद बढ़ेगी। पार्क में हाई वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग, गारमेंट, टॉयज, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, लॉजिस्टिक्स और नई तकनीक से जुड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे। यह परियोजना भोपाल को औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनाएगी। इससे 15 हजार से ज्यादा प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।
- **10 हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर बनेगा-** स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क के तहत 25 एकड़ में विश्वस्तरीय कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर भी बनाया जाएगा। इसकी क्षमता 10 हजार से ज्यादा लोगों की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे।

सीएम बोले-

यूका की जगह पर अस्पताल बनाएंगे- सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों की गति बढ़ रही है, इसलिए कांग्रेसियों की छाती पर सांप लोट रहा है। कांग्रेस ने यूनियन कार्बाइड (यूका) के आरोपियों को बचाने का काम किया। उन्हें विमान देकर भगा दिया था। हमने यूका का कचरा हटाया। वहां स्मारक बनाएंगे। अस्पताल भी बनाया जाएगा, जो लोगों को जीवन देने का काम करेगा। संविधान के अनुच्छेद 44 के भाग- 4 में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि 'राज्य, देशभर में नागरिकों के लिए एक यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने का प्रयास करेगा।'

केतन मर्डर से पहले सिया ने पढ़ा था राजा रघुवंशी केस

- यह भी जाना- क्या कस्टडी में महिला से मारपीट होती है
- मोबाइल हिस्ट्री से पुलिस को चला पता, कुछ चश्मदीद मिले

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात से पहले इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक सिया ने इंटरनेट पर यह भी सर्च किया था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं के साथ मारपीट होती है। यह पूरी जानकारी सिया के दोनों मोबाइल की सर्च हिस्ट्री से मिली। पुलिस 2 दिन पहले सिया को उसके घर लेकर गई थी, जहां उसके बेडरूम से दूसरा मोबाइल भी जब्त किया है। घटना वाले दिन के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं, जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं। आरोप है कि 18 जून को सिया और

चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। फिलहाल दोनों 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

चोट दिखा रही थी, अश्लील इशारा नहीं था- सिया गोयल के पिता ने उन दावों को खारिज कर दिया है कि उसने मीडिया की ओर कोई अश्लील इशारा किया था। उनका कहना है कि वायरल वीडियो का गलत मतलब निकाला गया। उनके मुताबिक, कानूनी औपचारिकताओं के लिए पुलिस जब सिया को घर ला रही थी, तब कार का दरवाजा बंद होने से उसकी दो उंगलियों में चोट लग गई थी। सिया वही चोट दिखा रही थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस समय मौजूद पुलिसकर्मियों से इन चोटों की पुष्टि की जा सकती है। यह विवाद एक वायरल वीडियो से शुरू हुआ, जिसमें पुलिस की हिरासत में ले जाते समय सिया आपत्तिजनक इशारा करती हुई दिखाई दी। **हिम्मत रखिए, केतन हमें ऊपर से देख रहा है-** पुलिस के अनुसार 19 जून को सिया केतन के घर पहुंची और उसके पिता को सांत्वना देते हुए कहा, 'केतन हमें ऊपर से देख रहा है,हिम्मत रखिए।'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

चंपत राय, अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

- पूर्व IFS कृष्ण मोहन नए महासचिव, ट्रस्ट बोला- घटना से हम शर्मिंदा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक 3 घंटे चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है। इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है। ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में हैं। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया।

हाफिज सईद ने रची थी पहलगाम की साजिश

- एनआईए ने स्पेशल कोर्ट दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

एजेंसी ने भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में उसे हमले की साजिश रचने, आतंकियों को संचालित करने और भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोपी बनाया गया है। एनआईए ने हाफिज सईद को व्यक्तिगत तौर पर भी आरोपी बनाया है। उसे प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसके प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट का प्रमुख बताया गया है। चार्जशीट में उसके खिलाफ यूएपीए की कई धाराएं लगाई गई हैं। एनआईए ने कहा कि यह सप्लीमेंट्री चार्जशीट पहले दाखिल चार्जशीट का हिस्सा है।

एनआईए चार्जशीट में क्या-क्या खुलासा - हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्ट उर्फ लंगड़ा था। साजिद, पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था। चार्जशीट के मुताबिक टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद ने धोखा दिया।

यूपी का जलालाबाद अब बन गया परशुराम पुरी

योगी सरकार ने बदला शाहजहांपुर के कस्बे का नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। शाहजहांपुर के जलालाबाद कस्बे का नाम बदलकर परशुराम पुरी करने का प्रस्ताव पास हो गया है। नाम परिवर्तन के इस प्रक्रिया की शुरुआत मार्च 2018 से हुई थी। यह स्थान भगवान परशुराम की जन्मस्थली मानी जाती है। यहां भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर भी है। शाहजहांपुर नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 और सितंबर 2023 में बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को पारित किया। शाहजहांपुर के तत्कालीन डीएम ने अपनी संस्तुति के साथ प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेजा था।

- राष्ट्रपति ने प्रोटोकॉल तोड़ अगवानी की, भव्य स्वागत किया गया

पीएम मोदी का ग्रैंड वेलकम, जेट ने किया एस्कॉर्ट

जकार्ता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे हैं। इस दौरान पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया। इंडोनेशियाई वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी के एयरक्राफ्ट को एस्कॉर्ट किया। इसके बाद एयरपोर्ट पहुंचने पर इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने प्रोटोकॉल तोड़ पीएम मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया में 6 से लेकर 8 जुलाई तक रहेंगे। इस दौरान वह दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में साझेदारी को गहरा करने पर जोर देंगे।

इसके अलावा, भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

पीएम मोदी के इंडोनेशिया यात्रा के कई उद्देश्य हैं। रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करनाःपीएम मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है।

यह प्रधानमंत्री का चौथा दौरा होगा और मई 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर पहुंचने के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।

- **भारत-इंडोनेशिया रक्षा संबंध होंगे मजबूत-** भारत के रक्षा और सुरक्षा सहयोग में उच्च स्तरीय दौरा, नियमित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एक्सरसाइज और रक्षा उद्योग में गहरे सहयोग (ब्रह्मोस की बिक्री सहित) के जरिए तेजी आई है और इसका दायरा भी बढ़ा है। समुद्री पड़ोसी होने के नाते, दोनों देशों ने 2018 में हिंद-प्रशांत में भारत-इंडोनेशिया समुद्री सहयोग के साझा दृष्टिकोण को अपनाया। आईएफसी-आईओआर में एक इंडोनेशियन लाइजन ऑफीसर की तैनाती से हमारी मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस को और बढ़ावा मिलेगा। भारत एनडीए और डीएसएससी में इंडोनेशियन कैडेट्स और ऑफीसर्स के लिए स्लॉट भी तय करेगा, जिससे रक्षा के क्षेत्र में कैपेसिटी बढ़ेगी।

झमाझम बारिश से बिगड़े महाराष्ट्र के हालात

● सतारा में पुल टूटा, क्रेन से निकाली गईं कारें ● घाटी में लैंडस्लाइड, हिमाचल में कार पर पत्थर गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया। डीएम ने सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की है। मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुईं। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मलबा हटाने का काम जारी है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में चलती गाड़ी पर पत्थर गिरने से 14 साल की लड़की की मौत हो गई।

कुल्लू में पागल नाले में बाढ़, मलबा आने से हाईवे बंद- हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सुबह से हो रही बारिश के बाद आज पागल नाला में बाढ़ आ गई। इससे सारा मलबा हाईवे पर आ गया। इसके बाद लारजी को सैंज से जोड़ने वाला हाईवे वाहनों के लिए बंद हो गया है। मुबंई में लगातार बारिश से वसई-विरार के कई निचले इलाके पानी में डूब गए। कई सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। वसई-विरार से हर दिन लाखों लोग काम के लिए मुंबई आते-जाते हैं। सोमवार सुबह जलभराव और ट्रैफिक की वजह से लोगों को ऑफिस पहुंचने में काफी परेशानी हुई।

महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही स्थगित- मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा की सोमवार की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रशासन अलर्ट पर है। उन्होंने लोगों से बेवजह यात्रा नहीं करने की अपील की। वहीं, रविवार को तेज हवाओं के बीच 350 पेड़ गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं।

जोधपुर में सड़कें बनीं दरिया सीकर शहर हुआ पानी-पानी

राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में मानसून सक्रिय हो गया है। जोधपुर में सोमवार दोपहर करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई। शहर की सड़कों पर पानी नदी की तरह बहने लगा। सीकर जिले में भारी बरसात से हालात बिगड़े हैं। शहर के प्रमुख इलाकों में 1 से 3 फीट तक पानी भर गया है। इसके कारण बाइक सवार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी भरने से रास्ते भी बंद हुए हैं। जयपुर में देर रात हुई तेज बारिश के कारण कई सड़कें धंस गई हैं, जगह-जगह बड़े पेड़ भी टूटे हैं। सड़कों पर भारी जलभराव होने के कारण वहां खड़ी कारों के पहिए तक पानी में डूब गए। बीते 24 घंटे में सवाई माधोपुर सहित कई जिलों में भी 2 इंच से ज्यादा पानी बरसा है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून की सबसे ज्यादा एक्टिविटी उदयपुर, कोटा और भरतपुर संभाग में नजर आ रही है। रविवार को भी इन संभाग के जिलों में अच्छी बरसात हुई। राजस्थान के कई इलाकों में भारी बरसात की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद में खूनी झड़प, महिला समेत 4 घायल, लाठी-डंडों से हमला, मारपीट का वीडियो वायरल

हाजीपुर। वैशाली जिले के पातेपुर थाना क्षेत्र के कृष्णवारा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में एक महिला सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस संघर्ष का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, यह झड़प पांचू चौधरी और दूसरे पक्ष के बीच हुई। हमले में पांचू चौधरी के पक्ष से दो महिलाओं समेत कुल चार लोग लाठी-डंडों से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और परिजनों ने सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए पातेपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में भर्ती कराया। अस्पताल में डॉक्टरों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि, घायलों में पांचू चौधरी की 32 वर्षीय पत्नी मुन्नी देवी की हालत गंभीर बनी हुई है। उनके सिर और शरीर पर लाठी-डंडों से गंभीर चोटें आई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया है।

दुबई से आए पति ने पत्नी का काटा गला, पहले गहने पहनाए फिर धारदार हथियार से हमला किया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पति ने पत्नी की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। मृत महिला की पहचान रेंकू देवी (26) के रूप में हुई है। आरोपी पति मनोज दुबई में रहकर काम करता था। रविवार को वो दुबई से अपने ससुराल पहुंचा था। हत्या से पहले उसने पत्नी को गहने पहनने को कहा। उसके बाद धारदार हथियार से उसका गला रेतकर मार डाला। वारदात को अंजाम देने के बाद मनोज कमरे की खिड़की तोड़कर भाग निकला। घटना साहेबगंज के राजेपुर थाना क्षेत्र के नवादा गांव की है। मनोज दुबई में रहकर काम करता था। उसकी रिंकू से 7 साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद मनोज और रिंकू को 2 बच्चे भी हुए। रिंकू की बहन की 26 जुलाई को शादी होनी वाली है। मनोज अपनी साली की शादी में शामिल होने दुबई से मुजफ्फरपुर आया था। घर वालों का कहना है कि कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच काफी विवाद चल रहा था। मृतका की मां मीना देवी ने बताया, साली की शादी में शामिल होने मनोज ससुराल आया था।

उसने मेरी बेटी से पूछा था कि शादी में पहनने के लिए सारे गहने लेकर आई हो। इस पर बेटी ने कहा था कि छोटी बहन की शादी है इसलिए सारे गहने लेकर आई हूं। उसके बाद मनोज ने कहा कि अब मैं दुबई नहीं जाऊंगा। घर पर ही काम करूंगा। मनोज कुमार और बेटी रिंकू देवी के बीच सोमवार अहले सुबह करीब 3 बजे कुछ विवाद हुआ। तेज आवाज आने पर मैं और मेरी छोटी बेटी रिंकू के कमरे में गए। दोनों को समझाकर मामले को शांत करवा दिया। उसके बाद रिंकू के कमरे से दोनों बच्चों के लेकर मैं अपने कमरे में आ गई। सुबह करीब 5 बजे रिंकू का छोटा बच्चा जो 1.5 साल का है वो रोने लगा। मैं बच्चे को लेकर रिंकू के कमरे के पास पहुंची। बेटी को आवाज देकर गेट खोलने को कहा। लेकिन कोई जवाब नहीं आया। उसके बाद मैंने घर वालों को बुलाया। मृतका की मां मीना देवी का कहना है कि दामाद मनोज मेरी बेटी की हत्या करके भाग गया है। इन दोनों के बीच कुछ दिन से विवाद चल रहा था। हत्या की सूचना मिलते ही राजेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल हंसिया बरामद कर लिया गया है। जांच के लिए मौके पर FSL टीम को बुलाया गया है।

कारोबारी हत्याकांड में 2 की गिरफ्तारी, जमीन विवाद और पुरानी रंजिश में मर्डर, मंदिर पूजा के लिए पहुंचे थे

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में कोरोबारी श्याम कुमार कुशवाहा की हत्या हुई थी। मामले में पुलिस ने 2 को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि जमीन विवाद और पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ पूर्वी-1 अलय वत्स ने बताया कि शनिवार सुबह डेरा चौक स्थित मंदिर के पास बाइक सवार बदमाशों ने श्याम कुमार कुशवाहा पर फायरिंग कर दी थी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के बेटे के बयान पर सिवाईपट्टी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के पर्यवेक्षण में उनके नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया था। मामला सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र का है। अलय वत्स ने बताया कि गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज, वैज्ञानिक साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी की। इसी दौरान सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के रहने वाले अविनाश कुमार और सनोज कुमार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने हत्या में अपनी भूमिका स्वीकार की है। एसडीपीओ ने बताया कि अनुसंधान में यह स्पष्ट हुआ है कि मृतक और आरोपियों के बीच लंबे समय से भूमि विवाद और अन्य कारणों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते हत्या की साजिश रची गई और मंदिर के पास मौका देखकर व्यवसायी को गोली मार दी गई। उन्होंने बताया कि एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। वहीं पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे भी बरामद किए हैं, जिन्हें जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान को आगे बढ़ाया जा रहा है। एसडीपीओ अलय वत्स ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अविनाश कुमार का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ सिवाईपट्टी थाना में लूट, धोखाधड़ी और जालसाजी सहित कई मामले दर्ज हैं। इसके अलावा सीतामढ़ी जिले के राजेपुर थाना में भी विभिन्न धाराओं के तहत उसके विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसडीपीओ अलय वत्स ने बताया कि जल्द ही इस मामले में फरार सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे कांड का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

जाले बीडीओ की पत्नी को सीढ़ियों पर घसीटते दिखे ससुरालवाले, परिजन बोले- ऐसे ही पीटा जाता था

मुजफ्फरपुर। दरभंगा के जाले प्रखंड के BDO मनोज कुमार की पत्नी अमृता कुमारी की 4 जुलाई को संदिग्ध मौत हुई थी। अमृता की मौत के बाद दो 2 वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग अमृता के साथ मारपीट कर रहे हैं फिर उसे सीढ़ियों से घसीटा जा रहा है। अमृता के घर वालों का दावा है कि ये वीडियो कन्हौली स्थित BDO के घर का है। मायके वालों का दावा है कि सुसराल वाले ऐसे भी पिटाई करते थे। ये वीडियो इस बात का सबूत है कि अमृता को प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों ने यह फुटेज पुलिस को भी सौंपा है। अमृता के साथ मारपीट के दोनों वीडियो एक साल पुराने है। वीडियो 19 मार्च 2025 का बताया जाता है। एक फुटेज करीब 1 मिनट 18 सेकेंड और दूसरा करीब 1 मिनट का है। अमृता के घर वालों का दावा है कि वीडियो में अमृता को ससुर, सास, ननद और देवर मिलकर घर से बाहर खींचते और मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। एक फुटेज में उसे सीढ़ियों पर घसीटते हुए ले जाया जा रहा है, जबकि दूसरे में जिला प्रशासन लिखी गाड़ी में जबरन बैठाने के दौरान धक्का-मुक्की और मारपीट की जा रही है। बाद में चार लोग उसे उठाकर जबरन कार में बिठाते नजर आए। मामले में रविवार को मिठनपुरा थाना में अमृता के भाई राजकुमार के बयान पर दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में पति मनोज कुमार, सास, ससुर, देवर और ननद को नामजद किया गया है। आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद कुछ समय तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में दहेज की मांग को लेकर अमृता को परेशान किया जा रहा है। परिजन का आरोप है कि अमृता को पति के किसी दूसरी महिला से संबंध होने की जानकारी मिली थी। इसका विरोध करने पर परिवार के अन्य सदस्य भी उसके खिलाफ हो गए और प्रताड़ना बढ़ा दी गई। आरोप है कि 3 जुलाई यानी शुक्रवार रात उसे नशीला पदार्थ देकर उसकी हत्या कर दी गई।

पटना में जमीन पर कब्जा करने आए 17 अपराधी अरेस्ट

एजेंसी, पटना

पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र में 31 कट्ठा जमीन पर कथित कब्जा करने की कोशिश को पुलिस और एसटीएफ ने विफल कर दिया। संयुक्त कार्रवाई में 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 12 पेशेवर अपराधी बताए जा रहे हैं। रामकृष्णा नगर के दारोगा हेमंत झा के आवेदन पर सभी पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज हुई है। सभी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है।

31 कट्ठा जमीन पर कब्जा का मामला: आवेदन के मुताबिक, पटना के रामकृष्ण नगर इलाके में बैरिया बस स्टैंड के पास श्री देवी नाम की महिला का 31 कट्ठा का प्लॉट है। जिस पर हरवे हथियार के बल पर कब्जा करने की तैयारी में था। मणिकांत ग्रुप समेत अलग-अलग ग्रुप कब्जा करने वाले थे। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि उस जमीन पर कब्जा करने के इरादे से कुछ अपराधी पटना में जुटे हैं। उनमें से एक विकास कुमार 22 वर्ष भूपतिपुर में है।

12 की पेशेवर अपराधी सहित 17 हिरासत में: सूचना के सत्यापन के बाद एसटीएफ और रामकृष्ण नगर थाना पुलिस ने जक्कनपुर इलाके में संयुक्त छापेमारी की। वहां पुलिस टीम को काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी, जिसमें बीजेपी का झंडा लगा था, उसकी सीट पर विकास बैठा मिला। उसकी तलाशी लेने पर पिस्टल और गोली बरामद की गई। विकास की निशानदेही पर पुलिस ने कार्रवाई कर कुल 17 आरोपियों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच में इनमें से 12 की पहचान पेशेवर अपराधियों के रूप में हुई है।

प्लॉट को लेकर चल रहा था विवाद: दिघवारा के पूर्व मुखिया शैलेश साव ने श्रीदेवी से एग्रीमेंट कराया था। श्रीदेवी के भाई की ओर से उस प्लॉट पर ऑब्जेक्शन खड़ा किया गया है। लगातार विवाद चल रहा था। मंगलवार को उस प्लॉट पर सभी कब्जा करने वाले थे। इसी बीच पुलिस को भनक मिली और कार्रवाई की गई।

पटना पुलिस-एसटीएफ ने हथियार सहित दबोचा, 12 पेशेवर अपराधी शामिल

फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से सख्त पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के आधार पर इस पूरे गिरोह के मास्टरमाइंड और अन्य सहयोगियों तक पहुंचा जा सकेगा। आरोपियों की निशानदेही पर आगे की छापेमारी भी जारी है। सूत्रों के अनुसार, पूरे मामले का खुलासा आज पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) प्रेस वार्ता में खुलासा कर सकते हैं। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी है। शैलजा कुमारी पूर्वी SP ने बताया कि सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, सदर, पटना के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित और योजनाबद्ध छापेमारी कर विभिन्न स्थानों से सभी 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पटना- दनियावां में मोबाइल दुकान से 40 लाख की चोरी

एजेंसी, पटना

पटना के दनियावां थाना क्षेत्र अंतर्गत दनियावां बाजार में रविवार देर रात शातिर चोरों ने गैस कटर से दुकान का शटर और लोहे की ग्रिल काटकर बड़े मोबाइल शोरूम और गोदाम में चोरी की। चोरों ने वहां से करीब 3 लाख 20 हजार रुपये नकद सहित आईफोन, वीवो के कीमती मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसे करीब 40 लाख रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, वारदात दनियावां बाजार में एसबीआई बैंक के पीछे स्थित गैलेक्सी टावर में संचालित 'नेहा मोबाइल कॉर्नर' में हुई। दुकान के प्रोपराइटर सुरेंद्र कुमार ने बताया, वे रोज की तरह सोमवार रात 11 बजे दुकान बंद कर घर गए थे। रात करीब 1 बजे के बाद पहुंचे 4 से 5 चोरों ने पूरी तैयारी के साथ गैस कटर से शटर और ग्रिल को काटा।

सुबह किसी परिचित की सूचना पर जब पीड़ित मौके पर पहुंचे, तो दुकान का शटर कटा देख उनके होश उड़ गए। तुरंत डायल 112 को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में दुकान खोली गई।

गैस कटर से ग्रिल काटी, तिजोरी खंगालकर कैश-आईफोन सहित कई मोबाइल ले गए

अंदर तिजोरी से नकदी गायब थी और शोरूम व गोदाम में रखे महंगे फोन, 10 पीस एचपी लैपटॉप, टीवी और बैटरियां गायब थीं। फतुहा के एसडीपीओ-2 संजीव कुमार और सर्किल इंस्पेक्टर माया कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। साक्ष्य जुटाने के लिए पटना से एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) और डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। फतुहा एसडीपीओ संजीव कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूत्रों से पता चला है कि चोरों की संख्या 4 से 5 थी। पुलिस की कई टीमें छापेमारी कर रही हैं।

60 वर्षीय दूल्हे से 30 वर्षीय दुल्हन की दूसरी शादी, हंगामा

एजेंसी, पटना

पटना के दरियापुर गांव में एक महिला की दूसरी शादी को लेकर हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। एक महिला की शादी के 23 दिन बाद घर पर पहले पति के पहुंचने पर जमकर हंगामा हुआ। महिला के पहले पति धनंजय ने 60 वर्षीय व्यक्ति पर अपनी 30 वर्षीय पत्नी को जबरन भगाकर शादी करने का आरोप लगाया। इस घटना के बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और मामले का सुलह कराया गया। 60 वर्षीय लखी तांती और 30 वर्षीय गूंजा देवी ने नोटरी से स्टाम्प पेपर पर शादी कर लिया था। शादी के 23 दिन बाद महिला के पहले पति धनंजय को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद धनंजय कुछ लोगों के साथ दरियापुर स्थित किराये के मकान पर पहुंच गया, जहां दोनों रह रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने के कारण मौके पर तनाव का माहौल बन गया।

सूचना पर एनटीपीसी थाना पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। करीब 40 मिनट बाद मामला शांत हुआ और पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई। महिला गूंजा देवी के पहले पति धनंजय ने आरोप लगाया, 'लखी तांती कुछ महीने पहले भी मेरी पत्नी को लेकर भाग गया था। तब किसी तरह अपनी पत्नी को समझा-बुझाकर घर वापस लाया था। धनंजय के मुताबिक, गूंजा देवी 12 जून को अपनी बेटी के साथ बाजार गई थीं, जिसके बाद से वे दोनों गायब थीं। कुछ लोगों ने धनंजय को बताया कि लखी तांती उनकी पत्नी को बाढ़ शहर से चार लोगों के साथ जबरदस्ती ले गया है और दरियापुर में किराए के मकान में रखे हुए है।

पुलिस पूछताछ के बाद बीमार पड़ी महिला की मौत

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ में वर्ष 2025 के चर्चित राजकांत हत्याकांड की जांच से जुड़ी एक महिला की मौत के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। 26 वर्षीय सपना कुमारी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस पर मानसिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों ने तत्कालीन एसडीपीओ आनंद कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक खुशबू कुमारी और एसआई जयप्रकाश ठाकुर को महिला की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। मामले को लेकर रविवार को परिजनों ने शव के साथ एसडीपीओ कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन भी किया।

पुलिस अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप: परिजनों का आरोप है कि सपना कुमारी को वर्ष 2025 में हुई राजकांत हत्याकांड में बार-बार पूछताछ के लिए बुलाया जाता था। बिना किसी लिखित नोटिस के पुलिस कई बार घर पहुंचती थी। पूरे परिवार को हत्या के मामले में नामजद करने

की धमकी देती थी। परिवार का कहना है कि लगातार पूछताछ और मानसिक दबाव के कारण सपना की तबीयत बिगड़ती चली गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने तत्कालीन एसडीपीओ आनंद कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक खुशबू कुमारी और केस के अनुसंधानकर्ता एसआई जयप्रकाश ठाकुर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सपना को जेल भेजने और उसके बच्चों का भविष्य बर्बाद होने की धमकी दी जाती थी।

यह मामला 17 नवंबर 2025 को अकबरपुर गांव निवासी 22 वर्षीय राजकांत की हत्या से जुड़ा है। राजकांत एक मोबाइल दुकान में काम करता था और घटना वाले दिन बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने गला रेतकर उसकी हत्या कर दी थी। मृतक के परिजनों ने इस मामले में चार नामजद और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में गांव के ही रोहित कुमार और उसके परिवार के साथ राजकांत के विवाद और हत्या की धमकी का भी उल्लेख किया गया था। मृतका सपना कुमारी (26) एक गृहिणी थीं, जिनके पिता औरंगाबाद में थाना में सब-इंस्पेक्टर हैं। पुलिस को जांच के दौरान सपना और राजकांत के बीच फोन पर कई बार बातचीत के कॉल डिटेल मिले थे, जिसके आधार पर पुलिस को शक हुआ था। हालांकि, परिजनों का कहना है कि राजकांत मोबाइल दुकान में काम करता था और सपना ने घटना से पहले उससे एक टैब खरीदा था, जिसके संबंध में उनकी बातचीत होती थी। हत्या से सपना का कोई संबंध नहीं था।

बाढ़ के पूर्व एसडीपीओ सहित 3 अधिकारियों पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप

परिजनों का आरोप है कि हत्या के बाद सपना को छह से सात बार एसडीपीओ कार्यालय बुलाकर पूछताछ की गई थी। पहला दिन 14 दिसंबर को ले जाया गया। इस दौरान पुलिस कई बार उसके घर पहुंची और पिता सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार, भाई, बहन समेत परिवार के सभी सदस्यों से पूछताछ किया। सपना से भी एसडीपीओ आनंद कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारियों ने करीब एक घंटे तक पूछताछ किया। उस दौरान वह बेहोश होकर गिर गई, जिसके बाद उसे आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। इसके लगभग 4 दिन बाद सपना को अस्पताल से घर लाया गया। इलाज के बाद फिर पुलिस ने उसे ऑफिस बुलाकर पूछताछ की, जिसके बाद से उसकी तबीयत खराब होती चली गई।

नीतीश कुमार अचानक पहुंचे जदयू कार्यालय जनसुनवाई व्यवस्था का लिया जायजा

एजेंसी, पटना

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज सोमवार को अचानक पटना स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जन सुनवाई को लेकर चल रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनका यह औचक दौरा संगठन को और सक्रिय बनाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। जदयू कार्यालय पहुंचने के बाद नीतीश कुमार ने सबसे पहले कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां चल रही जनसुनवाई कार्यक्रम की व्यवस्था को भी देखा। जनसुनवाई में मंत्री श्रवण कुमार मौजूद थे और लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। नीतीश कुमार वहां पहुंचे और मौजूद लोगों से कहा कि जनसुनवाई पूरी गंभीरता और व्यवस्थित तरीके से होनी चाहिए। उन्होंने जनसुवाई कर रहे मंत्रियों और अधिकारियों से स्पष्ट शब्दों में कहा, "ठीक से कीजिए।"

प्रदेश अध्यक्ष को दिए आवश्यक निर्देश: निरीक्षण के दौरान जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा भी उनके साथ मौजूद रहे। नीतीश कुमार ने उन्हें पार्टी कार्यालय की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'कार्यालय में आने वाले कार्यकर्ताओं और आम लोगों की समस्याओं की नियमित सुनवाई होनी चाहिए। हर स्तर पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

श्रवण कुमार बोले- समय-समय पर समीक्षा करते हैं नीतीश: इस मौके पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, 'नीतीश कुमार समय-समय पर पार्टी कार्यालय आकर गतिविधियों की समीक्षा करते हैं। वे यह देखते हैं कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन सही तरीके से हो रहा है या नहीं।' उन्होंने कहा, 'पार्टी कार्यालय आने वाले कार्यकर्ताओं और आम लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाता है।'

बांकीपुर उपचुनाव को लेकर बोले श्रवण कुमार: श्रवण कुमार ने दावा किया कि बांकीपुर उपचुनाव में एनडीए बड़े अंतर से जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा, '2025 का विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा गया और एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिला। भाजपा और जदयू के बीच बेहतर तालमेल है।' उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन को लेकर कहा कि उनसे एनडीए को कोई नुकसान नहीं होगा और अंतिम फैसला जनता करेगी।

सरकार हर मामले में गंभीर, दोषियों पर होगी कार्रवाई: भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में श्रवण कुमार ने मीडिया से अपील किया कि जांच पूरी होने तक धैर्य रखें, सरकार निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

शेयर बाजार में उतरेगा पटना नगर निगम

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने बीते दिनों कैबिनेट में पटना नगर निगम को 200 करोड़ तक का म्यूनिसिपल बांड जारी करने की मंजूरी दी थी। अब पटना नगर निगम शेयर बाजार में उतरने की तैयारी में है। निगम बॉन्ड जारी करने से पहले सभी औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी करने में लगा हुआ है। क्रेडिट रेटिंग मिलने के बाद म्युनिसिपल बॉन्ड को स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट किया जाएगा। बॉन्ड से जुटाई गई राशि को पटना को स्मार्ट सिटी बनाने में इस्तेमाल किया जाएगा।

हालांकि, इसे मंजूरी देने के बाद अब सरकार ने बॉन्ड के लिए नियम और शर्तें भी तय कर दी हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग के अनुसार इस बॉन्ड के मूलधन और ब्याज के एक-एक रुपये का भुगतान

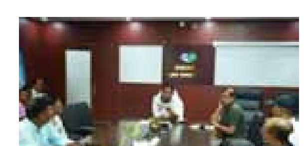

200 करोड़ के म्युनिसिपल बॉन्ड की स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग की तैयारी, सरकार नहीं लेगी भुगतान की जिम्मेदारी

नगर निगम को अपने ही राजस्व से करना होगा। सरकार इस भुगतान की कोई जिम्मेदारी नहीं लेगी। बॉन्ड जारी होने के चार साल बाद मूलधन की अदायगी शुरू होगी, जबकि पूरे 10 वर्षों तक नगर निगम को वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए निवेशकों का पैसा समय पर लौटाना होगा।

6 जिलों में झमाझम बारिश, 12 में अलर्ट पटना समेत कई जगह बादल छाए

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून की रफ्तार धीमी है। प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए है, लेकिन अच्छी बारिश के लिए लोगों को इंतजार करना होगा। इस बीच सोमवार को बक्सर, सासाराम और औरंगाबाद में तेज बारिश होने से लोगों को राहत मिली है। दोपहर बाद बांका, नालंदा और जमुई में भी झमाझम बारिश हुई। पटना, कटिहार समेत कई शहरों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 60km/h की रफ्तार से हवा चल सकती है।

ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों के अलावा राज्य के 26 जिलों के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 10 दिनों तक राज्य में रुक-रुककर बारिश होती रहेगी।

पटना में रविवार शाम करीब

पांच बजे आंधी के साथ बारिश शुरू हुई, लेकिन यह महज 15 मिनट तक ही चली। बारिश थमते ही धूप निकल आई, जिससे नमी बढ़ गई और उमस पहले से अधिक महसूस होने लगी। पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं भी अच्छी बारिश दर्ज नहीं की गई।

केवल पश्चिम चंपारण के एक-दो स्थानों पर मध्यम बारिश हुई, जबकि उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य और दक्षिण बिहार के एक-दो स्थानों तथा उत्तर-पूर्व बिहार के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई।इस दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 35.1 से 39.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

बांकीपुर विधानसभा सीट पर महागठबंधन में खींचतान, कांग्रेस ने राजद के दावे को नकारा

एजेंसी, पटना

पटना के बांकीपुर विधानसभा सीट पर उप-चुनाव के ऐलान के बाद सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। एक ओर जहां जन सुराज ने प्रशांत किशोर को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, महागठबंधन की सहयोगी दल कांग्रेस ने भी इस सीट पर अपना दावा ठोक दिया है। कांग्रेस का मानना है कि बांकीपुर सीट कांग्रेस की पारंपरिक सीट रही है। इस पर कांग्रेस की सबसे मजबूत दावेदारी है। कांग्रेस ने राजद के दावे पर भी सवाल खड़े किए हैं। बिहार कांग्रेस के सूचना एवं पत्राचार विभाग के प्रभारी असित नाथ तिवारी ने कहा, 'जो दल बिना बात किए दावा करे, वह गठबंधन का हिस्सा नहीं हो सकता। कांग्रेस ऐसे दलों की बात मानने को मजबूर नहीं है।'

कांग्रेस सहयोगी दल को महत्व देने के लिए मजबूर नहीं- आसित नाथ तिवारी: असित नाथ तिवारी ने आगे कहा, 'बांकीपुर सीट पर कांग्रेस का दावा सबसे मजबूत बनता है। बांकीपुर सीट कांग्रेस की पारंपरिक सीट रही है। इसलिए इंडिया गठबंधन के तमाम सहयोगी दलों को इस पर निर्णय लेना है।' उन्होंने नसीहत देते हुए कहा, 'अगर इंडिया गठबंधन का कोई भी दल बिना सहयोगी दलों से बातचीत किए बांकीपुर सीट पर अपना दावा कर रहा है या अपने उम्मीदवार की घोषणा कर रहा है। इसका मतलब ये है कि वह इंडिया गठबंधन से अलग है, वो बाकी दलों को महत्व नहीं दे रहा है।'

बांकीपुर सीट को लेकर महागठबंधन में तकरार की स्थिति बनती दिख रही है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, 'बांकीपुर सीट से हमारी पार्टी उम्मीदवार उतारेगी।' उनका तर्क है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भी राजद ने यहां से अपना प्रत्याशी दिया था। महागठबंधन से राजद की रेखा कुमारी ने दांव आजमाया था।

दूसरी ओर बिहार कांग्रेस जिलाध्यक्षों की बैठक में वरिष्ठ नेताओं के द्वारा किए गए अनुशासनहीनता को लेकर आलाकमान सख्त हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, अनुशासनहीनता की जांच के लिए तीन सदस्यी कमिटी बनाये जाने की चर्चा है। कमिटी की रिपोर्ट के आधार आगे की कार्रवाई होगी। दरअसल, गुरुवार को हुए बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और पूर्व विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के बीच जमकर घमासान हुआ था। मंच पर ही दोनों नेताओं के बीच टिकट बेचने के आरोपों को लेकर जमकर झगड़ा हुआ। दोनों ने एक दूसरे पर संगीन आरोप लगाए। बवाल बढ़ता देख एक युवा जिलाध्यक्ष ने बीचबचाव कर दोनों को शांत किया था।

संक्षिप्त समाचार

खाता नंबर- 109 की जमीन नहीं बिकी, हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी बिक्री पर रोक; अपील की तैयारी

गैरमजरूआ जमीन को लेकर भ्रम फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई, प्रशासन ने कराया स्थिति स्पष्ट

बीएनएम@ मोतिहारी। हनुमान शुगर मिल, मोतिहारी की जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर इंटरनेट मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बीच जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैरमजरूआ खाता संख्या-109 की जमीन वर्ष 2023 के बाद नहीं बिकी है। अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने सोमवार को बताया कि पटना उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में मोतिहारी चीनी मिल से संबंधित खातों को नियमानुसार रोक सूची से हटाया गया था, लेकिन खाता संख्या-109 की जमीन की बिक्री नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि हनुमान शुगर मिल की जमीन की बिक्री को लेकर चल रही चर्चाओं में खाता संख्या-109 का उल्लेख किया जा रहा है, जो पूरी तरह भ्रामक है। इस संबंध में जिला अवर निबंधन कार्यालय से रिपोर्ट मंगाकर सभी संचिकाओं की जांच कराई गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि एक दिसंबर 2025 को उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में खाता संख्या-109 को मुक्त किए जाने के बावजूद उस खाते की कोई जमीन नहीं बिकी, क्योंकि इस मामले में आगे अपील की तैयारी चल रही है।अपर समाहर्ता ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर इस मामले को बेवजह तूल देकर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। ऐसे मामलों में विधि-विरुद्ध गतिविधियों पर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाता संख्या-109 की जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए अंचल अधिकारी, मोतिहारी तथा संबंधित क्षेत्र के अंचल अमीन को जमीन का भौतिक सत्यापन कर शीघ्र रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया है।

गोविंदगंज पुलिस की बड़ी सफलता, 7 हजार का इनामी शातिर अपराधी अनिल राय गिरफ्तार

बीएनएम@गोविंदगंज। पूर्वी चंपारण पुलिस को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। अरेराज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रवि कुमार के नेतृत्व में गोविंदगंज थाना पुलिस ने धोखाधड़ी और लूट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 7 हजार के इनामी अपराधी अनिल राय को गिरफ्तार कर लिया। वह गोविंदगंज थाना कांड संख्या 280/25 का मुख्य अभियुक्त था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अनिल राय मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर हजारी गांव का निवासी है। उसके पिता का नाम स्वर्गीय रामनयन राय है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अनिल राय का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ साहेबगंज थाना में मारपीट, रंगदारी, धोखाधड़ी और बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम समेत करीब आधा दर्जन गंभीर मामले दर्ज हैं। वर्ष 2020 में दो मारपीट के मामलों, 2021 में रंगदारी व मारपीट, 2022 में मारपीट, 2023 में धोखाधड़ी तथा 2024 में शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज होने के बाद भी वह लगातार फरार चल रहा था। इसी कारण पुलिस मुख्यालय ने उसकी गिरफ्तारी पर 7 हजार का इनाम घोषित किया था। इस सफल कार्रवाई में एसडीपीओ रवि कुमार के अलावा गोविंदगंज थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक राजू कुमार मिश्रा, पुलिस अवर निरीक्षक धनंजय कुमार तथा जिला सूचना इकाई (डीआईयू) के प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक करण कुमार सिंह शामिल रहे। छापेमारी में डीआईयू की टीम और गोविंदगंज थाना के सशस्त्र बल के जवानों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इनामी अपराधी की गिरफ्तारी से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अभियान को बड़ी सफलता मिली है। साथ ही फरार अपराधियों के खिलाफ आगे भी लगातार विशेष अभियान जारी रहेगा।

दवा के साथ पोषण भी जरूरी, तभी टीबी पर मिलेगी जीतः डॉ. नितेश ध्वज सिंह

बीएनएम@ रामगढ़वा। टीबी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और रामगढ़वा को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को विशेष पोषण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह की मौजूदगी में टीबी से पीड़ित मरीजों के बीच प्रोटीन युक्त पोषण किट का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए पोषण किट में चना दाल, काला चना, सोयाबीन तथा विशेष प्रोटीन पाउडर शामिल था। इस दौरान डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने कहा कि टीबी के सफल उपचार के लिए दवाओं के साथ-साथ उच्च प्रोटीन युक्त संतुलित आहार भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुपोषण टीबी से लड़ने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है और इसे दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि मरीज जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकें। उन्होंने मरीजों से चिकित्सक की सलाह के अनुसार नियमित रूप से दवा लेने तथा उपचार को बीच में नहीं छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सही पोषण, नियमित दवा और चिकित्सकीय परामर्श का पालन कर टीबी जैसी बीमारी को पूरी तरह हराया जा सकता है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि रामगढ़वा को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत आगे भी पोषण सहायता और जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम लगातार चलाए जाएंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य कर्मी सुशांत सिंह, ब्रजेश ओझा, आनंद रंजन सिंह एवं गौतम पांडेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा, 10 प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

बीएनएम@ मोतिहारी

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) एवं बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देश पर रविवार को नगर के गांधी मैदान में जिला स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के सेहत केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा समाज में स्वास्थ्य संबंधी जन-जागरूकता फैलाना था।प्रतियोगिता से पूर्व आयोजित जागरूकता सत्र में जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार, सेहत केंद्र की नोडल पदाधिकारी डॉ. विदुषी दीक्षित, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. गौरव भारती, डॉ. अर्पणा, डॉ. अमित सातनकर, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के रिसोर्स पर्सन कुणाल कुमार एवं शिवम कुमार तथा मनोवैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार ने प्रतिभागियों को एचआईवी/एड्स से जुड़ी भ्रांतियों, समय पर जांच एवं उपचार, सुरक्षित व्यवहार और भेदभाव-मुक्त समाज के निर्माण के प्रति जागरूक किया। प्रतियोगिता के लिए सिविल सर्जन -सह- मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार की ओर से एम्बुलेंस की व्यवस्था कराई गई। इस सहयोग के लिए जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार ने आभार व्यक्त किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में मुंशी सिंह महाविद्यालय, एलएनडी कॉलेज, एसएनएस कॉलेज तथा डॉ. एस.के.एस. महिला कॉलेज के चयनित छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र वर्ग में अभिरंजन कुमार, शेख साजिद, किशन कुमार, डेविड जेम्स एवं नेसार आलम, जबकि छात्रा वर्ग में राजनंदिनी कुमारी, ऋषि कुमारी, निशात कुमारी, श्वेता कुमारी एवं मुस्कान कुमारी का चयन राज्य स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित प्रतिभागी पूर्वी चम्पारण जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक़ ने चयनित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल और सामाजिक जागरूकता का समन्वय युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का समापन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देने तथा एचआईवी/एड्स जागरूकता का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

नेपाल ले जाए जा रहे 550 बैग यूरिया से लदा ट्रक ढाका में जब्त, कालाबाजारी की आशंका

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के ढाका प्रखंड में जांच टीम ने सघन वाहन जांच अभियान के दौरान लगभग 550 बैग यूरिया से लदे ट्रक (संख्या BR30GA/9164) को जब्त किया। प्रारंभिक जांच में उर्वरक की खेप को कालाबाजारी की नीयत से मुजफ्फरपुर से नेपाल ले जाए जाने की आशंका जताई गई है। जब्त ट्रक को उर्वरक निरीक्षक -सह- कृषि समन्वयक उमेश कुमार वर्मा ने ढाका थाना के हवाले कर दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ट्रक चालक की पहचान प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि कृषि विभाग उर्वरक की कालाबाजारी, अनियमित कारोबार और अवैध भंडारण के मामलों को लेकर पूरी तरह सख्त है। उन्होंने कहा कि उर्वरक कालाबाजारी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एलएनडी कॉलेज में 'वन महोत्सव सप्ताह' की शुरुआत, वृक्षारोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में सोमवार को 'वन महोत्सव सप्ताह' का शुभारंभ किया गया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम के तहत कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन पर आधारित दो प्रेरणादायक फिल्मों का प्रदर्शन कराया गया।एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह के मार्गदर्शन में प्रसार भारती और दूरदर्शन निर्मित 'चिपको आंदोलन' डॉक्यूमेंट्री तथा 'कड़वी हवा' फिल्म दिखाई गई। 'चिपको आंदोलन' के माध्यम से छात्रों को पेड़ों की रक्षा के ऐतिहासिक जनआंदोलन से परिचित कराया गया, जबकि 'कड़वी हवा' के जरिए जलवायु परिवर्तन के गंभीर दुष्प्रभावों और उसके मानवीय असर को समझाया गया।इस अवसर पर डॉ. रवि रंजन सिंह ने कहा कि सतत विकास समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की सफलता में एनएसएस स्वयंसेवकों ऋतुराज, आदित्य, माही, शुभम, राजनंदनी, लकी, श्रेया, इमरान, कुणाल, शैलेन्द्र, विक्की सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में कॉलेज परिसर में पौध वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा, ताकि वृक्षारोपण का संदेश समाज के अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके। कॉलेज प्रशासन ने इसे हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन के बैनर तले दो मिनट का मौन रखकर मजदूर नेता को किया गया नमन

रक्सौल में दिवंगत कामरेड आर. एन. ठाकुर की स्मृति में शोकसभा, रेलवे कर्मचारियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बीएनएम@ मोतिहारी

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन (ECREU) के तत्वावधान में सोमवार को रक्सौल रेलवे स्टेशन परिसर के समीप ऐक्टू (AICCTU) के संस्थापक सदस्य एवं बिहार राज्य महासचिव दिवंगत कामरेड आर. एन. ठाकुर की स्मृति में शोकसभा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का नेतृत्व यूनियन के केंद्रीय संयुक्त सचिव कामरेड रत्नेश वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि कामरेड आर. एन. ठाकुर का निधन मजदूर आंदोलन, संगठन और वामपंथी विचारधारा के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मजदूरों, किसानों, शोषितों और वंचितों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। ऐक्टू (AICCTU) को मजदूरों की सशक्त आवाज बनाने में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। कामरेड रत्नेश वर्मा ने कहा कि कामरेड आर. एन. ठाकुर केवल एक नाम नहीं, बल्कि मेहनतकशों की आवाज थे। उनका संघर्ष, सादगी, वैचारिक दृढ़ता और संगठन के प्रति समर्पण हमेशा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि दिवंगत नेता को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए मजदूर एकता को और मजबूत किया जाए तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष जारी रखा जाए। उन्होंने उपस्थित साथियों के साथ "कॉमरेड आर. एन. ठाकुर अमर रहें" और "कामरेड आर. एन. ठाकुर को लाल सलाम" के नारों के बीच उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।शोकसभा में रेलवे कर्मचारियों में रत्नेश वर्मा, अंगद कुमार साह, अभिणित आनंद, विशुनदेव राउत, गोपाल कुमार, गंगनदेव कुमार, शत्रुघ्न प्रसाद, अजीत कुमार, विजय कुमार, मोहित कुमार, आजाद कुमार, रौशन कुमार, सीटू कुमार, संजय कुमार, रामजस पटेल, सूरज कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। यह जानकारी ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन, हाजीपुर जोन के केंद्रीय संयुक्त सचिव रत्नेश वर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

डॉग स्क्वॉड की मदद से बीजधरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 244 ग्राम गांजा व 7 लीटर देसी शराब बरामद

बीएनएम@ बीजधरी

बीजधरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर डॉग स्क्वॉड की सहायता से कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के जगीरहा गांव में छापेमारी कर 244 ग्राम गांजा एवं 7 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार जगीरहा गांव निवासी सुरेश सिंह, पिता ध्रुव नारायण सिंह के बथान में छापेमारी के दौरान यह बरामदगी हुई। पुलिस ने मौके से 244 ग्राम गांजा और 7 लीटर देसी चुलाई शराब जब्त कर ली। मामले में संबंधित आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर डॉग स्क्वॉड की मदद से छापेमारी की गई, जिसमें गांजा और अवैध देसी चुलाई शराब बरामद हुई है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों एवं अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। ऐसे अवैध धंधों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीजधरी पुलिस ने 2 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

बीएनएम@ बीजधरी

बीजधरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बथना गांव निवासी जीतलाल सहनी (38 वर्ष), पिता सत्येंद्र सहनी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि शराब के अवैध कारोबार के विरुद्ध थाना क्षेत्र में लगातार अभियान जारी रहेगा और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में साप्ताहिक मानस सत्संग आयोजित, भजन-कीर्तन व महाप्रसाद में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में रविवार संध्या आयोजित साप्ताहिक मानस सत्संग में वक्ताओं ने सत्संग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे मानव जीवन को बदलने वाली दिव्य साधना बताया। गुरु भाई देवेंद्र पाठक ने कहा कि अच्छे विचारों, संतों के सान्निध्य और प्रभु भक्ति में समय बिताना ही वास्तविक सत्संग है। उन्होंने कहा कि सत्संग मनुष्य के मन से क्रोध, लोभ और मोह जैसे विकारों को दूर कर सकारात्मकता, शांति और जीवन के वास्तविक उद्देश्य का बोध कराता है। आश्रम के सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने रामचरितमानस की चौपाई "बिनु सत्संग विवेक न होई, राम कृपा बिनु सुलभ न सोई" का उल्लेख करते हुए कहा कि बिना सत्संग के सही-गलत का विवेक नहीं होता और प्रभु कृपा की प्राप्ति भी कठिन है। भजन गायिका विनीता कुमारी के मधुर भजनों पर महिला एवं पुरुष श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। वहीं आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा ने कहा कि सत्संग सत्यस्वरूप परमात्मा की संगति है, जो मनुष्य को जीने की कला सिखाता है, मानसिक शांति प्रदान करता है और जीवन के सही उद्देश्य की पहचान कराता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले सत्संग में सपरिवार शामिल होने की अपील की। सत्संग के दौरान आश्रम सचिव के सुपौत्र का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। देवराहा बाबा सरकार का चालीसा पाठ, आरती एवं पूजन-अर्चन व्यास रामचंद्र प्रसाद एवं उनकी टीम के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद एवं भंडारे का वितरण किया गया। इस अवसर पर आराधना व्यास रामचंद्र प्रसाद, रंजीत कुमार, सह सचिव राम भजन, कन्हैया प्रसाद (अधिवक्ता), नागेंद्र जायसवाल, कृष्ण कुमार, पप्पू कुमार, विक्की कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद, अजय कुमार, रविंद्र कुमार, नेहल कुमार, श्रवण कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम के सह सचिव राम भजन जी द्वारा दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

20 सूत्री बैठक में स्वास्थ्य और कृषि सेवाओं पर मंथन

बीएनएम@ बगहा: बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड सभागार में सोमवार को 20 सूत्री समिति की महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष दूधनाथ कुशवाहा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में जनहित के कई ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान अध्यक्ष ने मधुबनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कुछ आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाने की गंभीर शिकायत की और इस पर तत्काल रोक लगाने हेतु जांच की मांग की।इसके अतिरिक्त, आंगनबाड़ी केंद्रों पर टेक होम राशन (टीएचआर) के वितरण में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से सदस्यों ने इसकी निगरानी समिति की उपस्थिति में कराने का सुझाव दिया। वहीं, कृषि क्षेत्र में यूरिया की भीषण किल्लत को लेकर भी चिंता जताई गई और खाद की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। बैठक में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में वाल्मीकि नगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, बीडीओ कुंदन कुमार, विभिन्न दलों के प्रखंड अध्यक्षों, जन प्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने प्रखंड के विकास और जनसमस्याओं के समाधान हेतु एकजुट होकर कार्य करने पर बल दिया।

बांकीपुर में विकास के दम पर एनडीए दर्ज करेगा बड़ी जीतः संजय झा

बीएनएम@ पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने रविवार को बांकीपुर सीट पर एनडीए की जीत का पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि फीडबैक के अनुसार, गठबंधन यहाँ बड़े अंतर से विजयी होगा। प्रशांत किशोर की संभावित उम्मीदवारी पर प्रतिक्रिया

देते हुए संजय झा ने इसे उनका लोकतांत्रिक अधिकार बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव में जितने अधिक प्रत्याशी होंगे, लोकतंत्र उतना ही सुदृढ़ होगा, परंतु अंतिम निर्णय की शक्ति केवल जनता के पास है।संजय झा ने बांकीपुर के मुकाबले को पूरे बिहार की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि जनता का अटूट भरोसा एनडीए के विकास कार्यों के साथ है। उन्होंने नितिन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रसन्नता जताई और इसे बिहार के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव का प्रतीक बताया। कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व कुछ ही हाथों में केंद्रित है, जबकि भाजपा की कार्यशैली में सामान्य कार्यकर्ता भी शीर्ष तक पहुँच सकते हैं, जो उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने एनडीए की एकजुटता को बिहार के विकास की गारंटी बताते हुए दावा किया कि विपक्ष के दावों का जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

राजद में नेतृत्व का संकट, वर्चुअल संदेश तक सीमित रह गए तेजस्वीः डॉ. निहोरा प्रसाद

बीएनएम@ पटना : जद (यू) प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निहोरा प्रसाद यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के स्थापना दिवस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह दिन राजद कार्यकर्ताओं के लिए उत्सव के बजाय निराशा का अवसर रहा, क्योंकि पार्टी का पूरा शीर्ष नेतृत्व कार्यकर्ताओं के बीच उपस्थित रहने के बजाय दिल्ली से वर्चुअल संदेश देने तक ही सीमित रहा। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जो नेता अपने सबसे महत्वपूर्ण दिन कार्यकर्ताओं के

बीच नहीं रह सकते, वे बिहार की जनता के संघर्ष में कितना साथ देंगे, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। डॉ. यादव ने राजद की कमजोरी के लिए बाहरी लोगों के बजाय पार्टी के भीतर व्याप्त चहेतावाद, अंतर्कलह और वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राजद ने अपनी कार्यशैली और गुटबाजी को नहीं सुधारा, तो पार्टी की स्थिति वर्तमान 25 सीटों से सिमटकर 5 पर आ जाएगी।

मेरा युवा भारत' पोर्टल से जुड़कर राष्ट्र निर्माण का संकल्प

बीएनएम@ : बेतिया: बैरिया प्रखंड के पखनाहा में 'मेरा युवा भारत' अभियान के तहत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में एक प्रेरणादायक युवा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला युवा अधिकारी शशांक मित्तल के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड समन्वयक नितेश पटेल ने किया।यह संगोष्ठी रामबुक्ष साह राजकीय मध्य विद्यालय, दीप ज्ञान संस्था और पॉली मैथ संस्था के युवाओं के बीच संपन्न हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना था, जिसके तहत उन्हें 'मेरा युवा भारत' पोर्टल पर पंजीकृत किया गया ताकि वे भविष्य में विभिन्न प्रशिक्षण और अवसरों का लाभ उठा सकें। नितेश पटेल ने युवाओं को सही मार्गदर्शन की महत्ता समझाते हुए उन्हें विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अवधेश कुमार यादव, मनीष पासवान सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

फिजिकल टेस्ट की तैयारी कर रहे युवक की दौड़ते हुए मौत

परिजनों में कोहराम,जाँच में जुटी पुलिस

बीएनएम@ गोपालगंज। गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र स्थित तेलंगही मैदान में सोमवार सुबह बिहार पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी कर रहे 23 वर्षीय युवक रंजीत कुमार की हृदय गति रुकने से दुखद मौत हो गई। बसडीला नवका टोला निवासी जयप्रकाश सिंह कुशवाहा के पुत्र रंजीत का सपना पुलिस बल में शामिल होकर देश सेवा करना था, जिसके लिए वह महीनों से कड़ी मेहनत कर रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रंजीत रोज की तरह सोमवार सुबह अपने दोस्तों के साथ मैदान में दौड़ का अभ्यास करने पहुंचे थे। तीन राउंड की दौड़ पूरी करने के बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे मैदान में ही अचेत होकर गिर पड़े। आनन-फानन में स्थानीय लोगों और दोस्तों ने उन्हें गोपालगंज सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया है, हालांकि वास्तविक स्पष्टता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। रंजीत की असमय मौत से उनके परिवार में कोहराम मचा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तीन साल पहले लूटी गई बाइक बरामद; दो गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर हरसिद्धि थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वर्ष 2023 में हथियार के बल पर लूटी गई एक मोटरसाइकिल बरामद करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार मुख्य आरोपी पर रंगदारी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित आधा दर्जन संगीन मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गायघाट में कुछ अपराधी लूटी गई मोटरसाइकिल की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरेराज रवि कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित छापेमारी कर एक संदिग्ध युवक को मोटरसाइकिल के साथ हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान वह

बाइक के वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने एचएचडी मशीन से चेसिस नंबर की जांच की, जिसमें वाहन मालिक का नाम और मोबाइल नंबर प्राप्त हुआ। वाहन मालिक से संपर्क करने पर पता चला कि 12 मई 2023 की रात चरगाहा चौर (तुरकौलिया थाना क्षेत्र) में हथियार के बल पर उनकी मोटरसाइकिल लूट ली गई थी। इस संबंध में तुरकौलिया थाना कांड संख्या-553/23, दिनांक 13 मई 2023 को दर्ज है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ में मुरारपुर बलुआ निवासी रंजय सहनी सहित अन्य अपराधियों की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर रंजय सहनी को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपितों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रंजय सहनी (27 वर्ष), पिता विनोद सहनी तथा असलम आलम (28 वर्ष), पिता वसीर मियां, दोनों निवासी मुरारपुर बलुआ, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रंजय सहनी के विरुद्ध मुफस्सिल थाना में रंगदारी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, जालसाजी और एनडीपीएस एक्ट समेत आधा दर्जन से अधिक संगीन मामले दर्ज हैं। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि, "गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वर्ष 2023 में लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में दोनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। मामले में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, पर्यवेक्षी पदाधिकारी अजय कुमार, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सेराज अहमद तथा सशस्त्र बल के जवान फूल कुमार, सौरभ कुमार और अमित कुमार शामिल थे।

अखिल भारतीय किसान महासभा की बैठक आयोजित , किसानों के हक में उठी आवाज

बीएनएम@ समस्तीपुर

अखिल भारतीय किसान महासभा की ताजपुर प्रखंड इकाई की बैठक सोमवार को मोतीपुर में ललन दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बढ़ते कृषि लागत और उपज के उचित मूल्य न मिलने के कारण किसानों की दयनीय आर्थिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने सरकार से केसीसी ऋण माफी, मुफ्त बिजली, सिंचाई सुविधा और खाद-बीज की सुलभ उपलब्धता की पुरजोर मांग की। जिला सचिव ललन कुमार ने वर्तमान में उर्वरकों की भारी किल्लत और नकली खाद की बिक्री को किसानों के लिए बड़ी चुनौती बताया। भाकपा (माले) के प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो महासभा उग्र आंदोलन करेगी। बैठक में संगठन विस्तार पर जोर देते हुए एक हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया और आगामी 2 अगस्त को प्रखंड सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उपस्थित किसान नेताओं ने एकजुट होकर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया।

रामगढ़वा के 135 सरकारी विद्यालयों में प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन आज से

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा प्रखंड के सभी 135 राजकीय एवं मध्य विद्यालयों में प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन सोमवार, 7 जुलाई 2026 से शुरू होगा। यह मूल्यांकन 13 जुलाई तक चलेगा। इसकी जानकारी बीआरपी मुकेश कुमार ने देते हुए बताया कि राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना के निर्देशानुसार परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक संचालित होगी। मूल्यांकन के तहत कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा विद्यालय स्तर पर ली जाएगी, जबकि कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों की लिखित परीक्षा होगी।

प्रश्नपत्र 'ई-शिक्षाकोष' पोर्टल से उपलब्ध कराए जाएंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने के लिए पेंसिल, रबर और कार्ड-बोर्ड जैसी आवश्यक स्टेशनरी साथ लाने का निर्देश दिया गया है। बीआरपी मुकेश कुमार ने बताया कि परीक्षा अवधि के दौरान विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन पूर्ववत जारी रहेगा, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह त्रैमासिक मूल्यांकन विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर का आकलन करने के साथ-साथ शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में भी सहायक होगा।

मोहिउद्दीननगर में छात्रों और आपदा मित्रों को मिला प्रशिक्षण

» **एसडीआरएफ ने सिखाए सुरक्षा के गुर**

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीननगर प्रखंड कार्यालय स्थित पंचायत समिति भवन में बाढ़ सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन पर एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और आपदा मित्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मुख्य वक्ता के रूप में एसडीआरएफ के एसआई अरविंद कुमार सिंह चंदेल ने बाढ़ के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, पूर्व तैयारियों और आपातकालीन प्रबंधन पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने, प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने और घबराने के बजाय संयम से काम लेने की सलाह दी।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण

एसडीआरएफ टीम द्वारा दी गई व्यावहारिक प्रशिक्षण थी। टीम ने राफ्ट के सुरक्षित संचालन, लाइफ जैकेट के उपयोग और बाढ़ के दौरान लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की प्रक्रियाओं का सजीव प्रदर्शन किया। एसआई चंदेल ने डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए बच्चों को जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने का कड़ा निर्देश दिया और कहा कि अधिकांश दुर्घटनाएं पानी की गहराई का सही अनुमान न लगा पाने के कारण होती हैं।इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को जीवन रक्षक प्रक्रिया 'सीपीआर' (CPR) का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। अंत में, बाढ़ के पानी के उतर जाने के बाद भी जलजमाव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने और कमजोर पुल-पुलियों से दूर रहने की हिदायत दी गई। इस अवसर पर एसडीआरएफ के जवान राज कारण कुशवाहा, हरिकेश कुमार और आपदा मित्र राम रूप राय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। छात्रों ने आपदा प्रबंधन का यह ज्ञान प्राप्त कर अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

'जनविरोधी' टैक्स नीति के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, पुतला दहन

बीएनएम@ गयाजी

» **कल से 12 जुलाई तक होगा विरोध**

शहर के चौक टॉवर पर सोमवार को कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बिहार सरकार के नए कर प्रस्तावों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। राज्यस्तरीय सड़कों व पुल-पुलियों पर 1.25 से 8.10 रुपये प्रति किलोमीटर टोल टैक्स और गांवों में सफाई के नाम पर प्रतिवर्ष 1200 रुपये होल्डिंग टैक्स वसूले जाने की घोषणा के खिलाफ आक्रोश जताते हुए कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री (उपमुख्यमंत्री/नेतृत्व) का पुतला दहन किया।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले से ही महंगाई और बेतहाशा करों से त्रस्त बिहारवासियों पर नए टैक्स का बोझ लादना 'जले पर नमक छिड़कने' जैसा है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी आर्थिक विफलता को छुपाने के लिए जनता की जेब काट रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी गरीब

और मध्यमवर्गीय परिवारों के हितों के साथ अन्याय नहीं होने देगी और जब तक यह फरमान वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।विरोध-प्रदर्शन के दूसरे चरण के तहत 8 जुलाई से 12 जुलाई तक जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में धरना और पुतला दहन का कार्यक्रम तय किया गया है। आज के इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार से जनविरोधी फैसलों को तत्काल निरस्त करने की मांग की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त

मोहिउद्दीननगर में भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन

बीएनएम@ समस्तीपुर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे '125वीं स्मरण पर्व' के अंतर्गत सोमवार को मोहिउद्दीननगर के मंगल भवन में एक जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में जिले भर से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद, अखंडता और उनके महान व्यक्तित्व को नमन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शशिधर झा ने की और संचालन जितेंद्र चौहान द्वारा किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने डॉ. मुखर्जी के जीवन को राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित बताया और कहा कि उनके विचार आज भी देश के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। स्थानीय

विधायक राजेश कुमार सिंह और विधान पार्षद तरुण चौधरी ने उनके आदर्शों को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामसुमिरन सिंह ने उन्हें जनमानस और युवाओं का प्रेरणास्त्रोत बताया। सम्मेलन में संगठनात्मक मजबूती और आगामी जनसंपर्क अभियानों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। पूरे आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह का माहौल देखा गया।

एनडीए पूरी तरह एकजुट, बांकीपुर उपचुनाव में होगी सुनिश्चित जीतः श्रवण कुमार

बीएनएम@ पटना

जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान मंत्री श्रवण कुमार ने विपक्ष और प्रशांत किशोर पर तीखा हमला बोला। बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर की सक्रियता पर प्रतिक्रिया

देते हुए उन्होंने कहा कि केवल बड़े दावे करने से जनता का समर्थन नहीं मिलता। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने प्रशांत किशोर को नकार दिया था और इस बार भी उन्हें कोई सफलता नहीं मिलेगी, क्योंकि बिहार की जनता केवल काम और विकास के आधार पर ही वोट करती है।मंत्री ने नीतीश कुमार के दो दशकों के विकास कार्यों को बिहार की प्रगति का आधार बताया और कहा कि वर्तमान में एनडीए गठबंधन पूरी तरह एकजुट होकर उसी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने भाजपा-जदयू संबंधों पर जोर देते हुए स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार गठबंधन धर्म का पालन करते हैं, जिसका उदाहरण सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री पद का दायित्व सौंपना है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की राजनीति सिद्धांतों पर आधारित है, जिसमें वे किसी का कर्ज नहीं रखते। अंत में, श्रवण कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि पटना में हुए विकास कार्यों के बल पर एनडीए बांकीपुर उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी और विपक्ष के सभी दावों को जनता सिरे से खारिज कर देगी।

युगपुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

» **प्रदेश अध्यक्ष ने किया विकास कार्यों का संकल्प**

बीएनएम@ पटना

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पूरे श्रद्धाभाव से मनाई गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, सांसद रविशंकर प्रसाद सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, उनके त्याग और देश की एकता व अखंडता के प्रति अटूट समर्पण को याद करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।संबोधन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता

की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा धारा 370 और 35ए को हटाना डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सरावगी ने जानकारी दी कि राज्य के 25 से अधिक नगर निकायों ने अपने क्षेत्रों में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा स्थापित करने और विभिन्न मार्गों का नाम उनके नाम पर रखने का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी इस पावन अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें 'अखंड भारत' के लिए अपना सर्वस्व बलिदान देने वाला युगपुरुष बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के माध्यम से यह घोषणा की कि बिहार के सभी जिला मुख्यालयों में डॉ. मुखर्जी के सम्मान में महत्वपूर्ण पार्क या सड़कों का नामकरण या निर्माण किया जाएगा।

समस्तीपुर : 56 साल पुराना रेलवे ओवरब्रिज 41 दिनों के लिए बंद

बीएनएम@ समस्तीपुर

शहर की जीवनरेखा माने जाने वाले 56 वर्ष पुराने रेलवे ओवरब्रिज को जर्जर एक्सटेंशन ज्वाइंट्स की मरम्मत और सुरक्षा कारणों से सोमवार सुबह छह बजे से आगामी 41 दिनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। पुल के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर पैदल और वाहन चालकों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिला प्रशासन ने निर्माण एजेंसी को 24 घंटे तीन पालियों में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। पुल बंद होने से शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है; अब बेगूसराय, रोसड़ा, दरभंगा और मुजफ्फरपुर की ओर जाने वाले वाहनों को शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और वैकल्पिक मार्गों से होकर गुजरना होगा। जाम से बचने के लिए प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात

किया गया है और रेलवे गुमटियों के बेहतर प्रबंधन का निर्देश दिया गया है। बस परिचालन में भी बदलाव करते हुए विभिन्न रूटों की बसों को जितवारपुर हाउसिंग बोर्ड मैदान और बाजार समिति से संचालित किया जा रहा है। 1970 में निर्मित यह पुल शहर के उत्तर और दक्षिण हिस्सों को जोड़ने का एकमात्र प्रमुख साधन है, जो प्रशासनिक कार्यालयों और मुख्य बाजार को जोड़ता है। जिला प्रशासन ने तकनीकी सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए पुराने ज्वाइंट्स को हटाकर नए लगाने और स्लैब मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया है। अधिकारियों ने आम नागरिकों से धैर्य रखने और यातायात के नए रूटों का पालन करने की अपील की है ताकि इस अनिवार्य मरम्मत कार्य को समय सीमा में पूरा किया जा सके।

छात्र-नौजवानों का भविष्य अंधकारमय

समस्या यह धारणा है कि परीक्षा तंत्र अकुशलता और भ्रष्टाचार के ग्रस्त है। इससे छात्रों का भविष्य अंधकारमय हुआ है। परीक्षा केंद्रों को ‘बंकर० में तब्दील करने से यह धारणा दूर नहीं होगी। पेपर लीक के बाद दोबारा हुए नेशनल एलिजिबिलिटी- कम-एंट्रेस टेस्ट (स्नातक पूर्व) के लिए देश में बने 5,440 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा का ऐसा घेरा खड़ा किया गया (अथवा ऐसा करने का प्रचार किया गया), मानों उन केंद्रों को किसी बड़े आतंकवादी हमले से बचाने की चुनौती सामने हो! परीक्षा आयोजन में वायु सेना, केंद्रीय सशस्त्र बलों, डाक विभाग, केंद्र सरकार के वित्तीय सेवा विभाग, और नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर की मदद ली गई। अंत में यह खबर भी आ गई कि नीट परीक्षार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 45 मिनट तक इंतजार किया! यह दीगर बात है कि इन बड़ी सुर्खियों से पेपर लीक और परीक्षा संचालन व्यवस्था की पोल को ढका नहीं जा सका है। छात्रों का टीवी रिपोर्टरों से यह कहना अविश्वास के गहराते माहौल को जाहिर कर देता है कि दोबारा परीक्षा में शामिल होने को लेकर वे उतने नर्वस नहीं हुए, जितनी इस आशंका से हैं कि कहीं फिर पेपर लीक ना हो जाए! वैसे दोबारा परीक्षा की दहशत से भी दर्जन भर से अधिक छात्र नर्वस हुए, जिनकी आत्महत्या की खबरें हाल में चर्चित रही हैं। ऐसी घटनाओं ने नौजवानों के एक बड़े वर्ग में आक्रोश भरा है। उसका नज़ारा फिलहाल दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन में देखने को मिल रहा है। गुस्सा इसको लेकर है कि वर्तमान सरकार के तहत जवाबदेही की अवधारणा ही दफना दी गई है। कुछ भी हो जाए, उसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होता! गंभीर से गंभीर समस्या में सरकार के पास दो ही जवाब होते हैः ‘सिक्युरिटी स्टेट० के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन और धुआंधार प्रचार से अपने पक्ष में नैरेटिव खड़ा करना। नीट के दोबारा आयोजन में इन दोनों उपायों का खुल कर मुजाहिरा किया गया। लेकिन इन उपायों से समस्याएं दूर नहीं होतीं। समस्या बनी यह धारणा है कि परीक्षा का सरकारी तंत्र अकुशलता और भ्रष्टाचार के ग्रस्त है। इससे करोड़ों छात्र-नौजवानों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। परीक्षा केंद्रों को ‘बंकर० में तब्दील करने से यह धारणा दूर नहीं होगी।

नारी शक्तिः वादों से लेकर कर दिखाने तकः ब्रिक्स में भारत का योगदान

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

भारत ने 1 जनवरी 2026 को लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण की थीम के तहत ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। महिलाओं से जुड़े मामलों में हमारा योगदान बेहद खास रहा है। हम सिफ़र् कोई नारा या तारीफ़ के लिए सफल कहानियों का संग्रह पेश नहीं कर रहे हैं। हम एक ऐसा कामकाजी ढांचा लेकर आए हैं, जो करोड़ों महिलाओं तक पहुँचा है। यह ढांचा सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां से शुरू होकर जहाँ भी जाता है, वहाँ आगे और विकसित होने के लिए तैयार रहता है।

यही भारत की खास बात है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से ज़्यादा समय से भारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एक राष्ट्रीय मिशन के तौर पर अपनाया है और इस काम को इतने बड़े पैमाने पर किया है, जिसकी बराबरी बेहद कम देश कर सकते हैं। 2023 में अपनी त्र20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक सोच को महिलाओं के विकास से बदलकर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर मोड़ने में मदद की। यह महज़ शब्दों का बदलाव नहीं था, बल्कि सोच का भी बदलाव था। महिलाओं को सिफ़र् लाभार्थी के तौर पर देखने के बजाय, उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में देखना। कोच्चि में हम इसी बदलाव से जुड़ा सवाल उठा रहे हैंः एक बार वादा करने के बाद, उसे बड़े पैमाने पर, आख़िरी गाँव की आख़िरी महिला तक कैसे पहुँचाया जाए? भारत ने पिछले दस सालों में सिफ़र् सैद्धांतिक तौर पर नहीं, बल्कि असल में इस सवाल का जवाब दिया है।

भारत के लिए यह सोच नई नहीं, बल्कि बहुत पुरानी है। विकास की भाषा के आने से काफी पहले ही, हमारी संस्कृति ने नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का स्रोत माना था। ये तीनों ही वे आधार हैं, जिन पर कोई भी समाज तरक्की करता है और उन्हें देवी दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता रहा है। दैवीय शक्ति को ही शक्ति कहा जाता है और संस्कृत के एक प्रसिद्ध श्लोक के अनुसार, जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है, वहाँ देवता भी प्रसन्न होते हैं। यह सम्मान सिफ़र् दिखावे के लिए नहीं थाः लोपामुद्रा और घोषा जैसी महिला ऋषियों ने ऋग्वेद के मंत्रों की रचना की और गार्गी और मैत्रेयी जैसी दार्शनिकों ने उपनिषदों के प्रसिद्ध वाद विवादों में अपनी बात मज़बूती से रखी। इसलिए, भारत के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास, किसी और से लिया हुआ विचार नहीं है, बल्कि एक प्राचीन विचार का ही आधुनिक रूप है।

शुरुआत फ़ैसला लेने की प्रक्रिया से करते हैं। भारत की पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग आधी महिलाएँ हैं, जो दुनिया में चुनी हुई महिला नेताओं के सबसे बड़े समूहों में से एक है। इसके अलावा नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का अंत सिफ़र् प्रतिनिधित्व तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां से इसकी शुरुआत होती है। ऐसा मॉडल, जो महिलाओं को सेवाएँ तो देता है, लेकिन उन सेवाओं को तय करने वाले फ़ैसलों में उन्हें शामिल नहीं करता, वह असल में महिलाओं के नेतृत्व वाला मॉडल नहीं है। भारत में सेवा पहुँचाने का ढाँचा तीन हिस्सों पर टिका है, जो एक साथ मिलकर ही काम करते हैं। पहला हिस्सा है पहुँचः डिजिटल जन अवसंरचना, फ़ायदों को सीधे महिलाओं के हाथों तक पहुँचाती है। आधार से जुड़े ट्रांसफ़र उन बिचौलियों की भूमिका को खत्म कर रहे हैं, जो पहले मदद पहुँचने से पहले ही उसे दूसरी तरफ़ मोड़ देते थे। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना इस पहुँच का व्यावहारिक उदाहरण है। 4.26 करोड़ से ज़्यादा माताओं को मातृत्व लाभ के तौर पर 20,060 करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि सीधे उनके आधार से जुड़े खातों के ज़रिए मिली है। दूसरा हिस्सा है संस्थाएँः डीएवाई-एनआरएलएम के तहत, 10.05 करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण महिलाओं को 90.90 लाख से ज़्यादा स्वयं-सहायता समूहों में संगठित किया गया है, जो दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाली सामुदायिक संस्थाओं का सबसे बड़ा नेटवर्क है। तीसरा हिस्सा है गतिशीलता—यानी मूल्य श्रृंखला में हमेशा सबसे नीचे बने रहने के बजाय ऊपर की ओर बढ़ने का एक सोच-समझकर चुना गया रास्ता। भारत अब 65,949 एसएचजी महिलाओं को बिज़नेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंट यानी बीसी सखी के तौर पर तैनात कर रहा है, जो दूर-दराज़ के इलाकों में जमा, क्रेडिट, धनराशि भेजने और पेंशन सेवाएँ पहुँचाती हैं। जो महिला कभी किसी लाभ के लिए कतार में लगती थी, अब वही महिला उस लाभ को दूसरों तक पहुँचाती है। कुल मिलाकर ये सब मिलकर भागीदारी को आमदनी और मालिकाना हक में बदलते हैं। लखपति दीदी पहल के तहत, जून 2025 तक 1.48 करोड़ स्वयं सहायता समूह महिलाओं की सालाना कमाई कम से कम 1 लाख रुपए तक पहुँच गई थी और जनवरी 2026 में शुरू किए गए उद्यमिता पर केंद्रित एक राष्ट्रीय अभियान का मकसद 50,000 सामुदायिक संसाधन व्यक्ति के ज़रिए 50 लाख अतिरिक्त महिलाओं को प्रशिक्षण देना है। तरक्की का यही रास्ता औपचारिक कारोबार में भी दिखता हैः पीएमएमवाई के तहत दिए गए ऋण में से 69 प्रतिशत और स्टैंड-अप इंडिया के लाभार्थियों में से 84 प्रतिशत महिलाएँ हैं। डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2.12 लाख स्टार्टअप्स में से 1.02 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या हिस्सेदार है और इनमें से कई स्टार्टअप बड़े शहरों के बजाय छोटे शहरों में हैं। हम ब्रिक्स को ये ब्रांड नाम नहीं, बल्कि उनके पीछे की कहानी पेश करते हैंः पहले पहुँच, फिर संस्थाएँ और फिर लाभार्थी से उद्यमी बनने का एक व्यवस्थित मार्ग।

आँकड़े भी इस बदलाव को दिखाते हैं। भारत में महिलाओं की कामकाजी आबादी में भागीदारी 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई है और इसी दौरान महिलाओं में बेरोज़गारी दर 5.6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है। अब पहले से कहीं ज़्यादा महिलाएँ कार्यबल का हिस्सा हैं, इसलिए हमारा फोकस अब अगले चरण पर है, उनके काम की गुणवत्ता और आमदनी को और बेहतर बनाना। इस साल महिलाओं से जुड़े कामों के लिए चार प्राथमिकता वाले क्षेत्र तय किए गए हैं और इनमें से एक सीधे हमारे अनुभव से जुड़ा हैः जलवायु कार्यवाही, खाद्य सुरक्षा और पोषण में महिलाओं की भूमिका। इस बारे में साक्ष्य भी साफ नतीजे बयां करते हैंः जब फैसले लेने की प्रक्रिया में महिलाएं शामिल होती हैं, तो पोषण बेहतर मिलता है और समुदाय चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाते हैं। यह कोई काल्पनिक बात नहीं है। झारखंड में महिला किसानों को ऐसी बीजों की किस्मों की जानकारी है, जो सूखे के दौरान भी बची रहती हैं। राजस्थान में महिला पशुपालकों को उन रास्तों की भी जानकारी है, जिनसे सूखे के समय मवेशियों को सुरक्षित ले जाया जा सकता है। भारत का काम ऐसे संस्थान बनाना रहा है, जो इस जानकारी और अनुभव का इस्तेमाल करें, न कि इसे नज़रअंदाज़ करें। मिशन पोषण 2.0 आंगनवाड़ी नेटवर्क के ज़रिए चलाया जाता है, जिसमें महिलाएं काम करती हैं और वे ही लोगों तक सेवा पहुंचाने की भरोसेमंद कड़ी होती हैं। जलवायु के अनुसार ढलने का काम भी इसी तरह होता है, चाहे वह लद्दाख में महिलाओं द्वारा बनाए गए ऊंचे इलाकों में पानी जमा करने के ढांचे हों या ओडिशा के तट पर वनस्पति के घने इलाकों को बचाने वाली समितियां। महिलाएं अब सिफ़र् अनुकूलन की तकनीक का इस्तेमाल करने वाली नहीं रह गई हैं, बल्कि वे खुद इसे आगे बढ़ा भी रही हैंः नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को खेती में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह ज़्यादा कौशल और ज़्यादा आमदनी वाले काम की ओर एक सोच-समझकर उठाया गया कदम है। एक खास बात जो पूरी तरह से भारत की वास्तविक विशेषता बन गई है। एक ज़िला एक उत्पाद पहल के तहत अब 761 ज़िलों में 1,102 उत्पाद शामिल हैं। महिला समूह हथकरघा, जीआई टैग वाले शिल्प और क्षेत्रीय खाद्य पदार्थों जैसे स्थानीय विशेष उत्पादों को ब्रांडेड और तेज़ी से निर्यात होने वाले उत्पादों में बदल रहे हैं। सरकार भी इन उत्पादों के लिए बाज़ार तक पहुँचने का रास्ता बना रही हैः अवसर योजना के तहत हवाई अड्डों पर महिलाओं के लिए आरक्षित रिटेल जगह और वोकल फ़ॉर लोकल के तहत महिला-संचालित उद्यमों के लिए जेम पर एक खास स्थान। असल मायनों में यह टिकाऊ व्यवस्था है, जिसके तहत स्थानीय सामग्री, स्थानीय कौशल और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला, जो समुदाय के भीतर ही अपना मूल्य बनाए रखती हैं और ये विकास का ऐसा रूप भी है, जिसके लिए किसी महिला को बाज़ार तक पहुँचने के लिए अपना ज़िला छोड़ने की ज़रूरत नहीं पड़ती। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास सरकार द्वारा की गई महज़ कोई घोषणा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसे एक-एक हिस्से को जोड़कर तब तक बनाया और संचालित किया जाता है, जब तक कि यह उस आखिरी महिला तक न पहुँच जाए, जिसके लिए इसे बनाया गया था। जुलाई में कोच्चि में होने वाली मंत्रियों की बैठक में, भारत इस मॉडल को एक योगदान के तौर पर पेश करेगा, न कि किसी ऐसे उपाय के तौर पर, जिसे दूसरों को भी अपनाना ही हो। इसका मकसद यह है कि दूसरे इससे सीख सकें और इसे अपनी परिस्थितियों के अनुसार ढाल सकें। यही व्यवस्था और इसके सफल होने के सबूत, भारत ब्रिक्स के सामने रख रहा है। यह आदान-प्रदान दोनों तरफ से होता हैः भारत कोच्चि में अपने ब्रिक्स सहयोगियों के बेहतरीन तौर-तरीकों से सीखने और अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

विलोम व्यंग्यः दी ओल्ड झालमुडी डेज

विवेक रंजन श्रीवास्तव

लंदन- इन दिनों बंगाल में एक अजीब नया संकट है। लोगों के पास कोसने के लिए पुराने मुद्दे नहीं हैं। पहले आदमी सुबह उठता था, चाय पीता था और कट मनी को कोसता था। जीवन में एक उद्देश्य था। एक स्थिरता थी। अब कई लोगों को समझ नहीं आ रहा कि नाश्ते के साथ किसे गाली दें। पुराने दिन याद आते हैं। क्या शानदार व्यवस्था थी। सरकार कोलकाता से बजट भेजती थी, और वह रुपया इतना मिलनसार था कि रास्ते में सबसे मिलता जुलता चलता था। किसी को निराश नहीं करता था। वह लोकतांत्रिक रुपया था। वह पहले स्थानीय नेतृत्व का हालचाल पूछता था, फिर कार्यकर्ताओं का, फिर व्यवस्था के पुजारियों का। अंत में यदि कुछ बच जाता था तो लाभार्थी के घर भी कभी कभार दस्तक दे देता था।

नई सरकार के रुपये में वह तहजीब नहीं रही। सीधे डी बी टी खाते में घुस जाता है। न मोहल्ले के पार्टी प्रतिनिधियों से राम राम, न नमस्कार।

पुराने दिनों में जमीनी विकास पार्टी प्रतिनिधियों के कब्जे में था। यही उसकी सबसे बड़ी विशेषता थी। असली विकास वह होता है जो हर जगह मौजूद हो लेकिन कहीं पकड़ा न जाए। सड़क का पैसा सड़क में न दिखे, पुल का पैसा पुल में न दिखे, योजना का पैसा योजना में न दिखे। वह विकास का आध्यात्मिक रूप था। उसे देखने के लिए मूल रूप से तृण साधना चाहिए होती थी।

अब लोग सड़क देखकर पूछते दिख रहे हैं, यह कैसे बनी। समय बदल गया है। मुझे एक सज्जन मिले। बोले, व्यवस्था सुधर गई है। मैंने कहा, दुखद समाचार है। बोले, क्यों। मैंने कहा, इसलिए कि पंद्रह साल का अनुभव नष्ट हो गया। हम लोगों ने एक प्रमाण पत्र बनवाने में जितना जीवन दर्शन सीखा था, उतना आजकल की पीढ़ी विश्वविद्यालय से नहीं सीख पायेगी। एक खिड़की से दूसरी खिड़की तक भटकते हुए आदमी समझ जाता था कि संसार माया है, फाइल सत्य है और बाबू ब्रह्म है। अब आवेदन करो और उत्तर आ जाता है। आध्यात्मिकता का यह पतन चिंताजनक है। पुराने समय में कट मनी केवल आर्थिक गतिविधि नहीं थी।

वह लोक संस्कृति थी। वह लोक व्यवहार की तरह थी। एक आदमी पैसा देता था, दूसरा आगे बढ़ाता था, तीसरा संभालता था, चौथा वितरित करता था। पूरा तंत्र एक समूहगान की तरह काम करता था। कोई अकेला नहीं खाता था। आजकल लोग भ्रष्टाचार को भी निजी बना देना चाहते हैं। सामूहिकता का यह ह्रास दुखद है। तब जनता भी बड़ी समझदार थी। उसे मालूम था कि उसका काम होने वाला नहीं है, फिर भी वह आवेदन देती थी। उसे मालूम था कि शिकायत का परिणाम शिकायत ही रहेगा, फिर भी शिकायत करती थी। लोकतंत्र में विश्वास ऐसा ही होता है।

अब जनता सवाल पूछने लगी है।

पैसा कहां गया। काम कब होगा।

लाभ किसे मिला। यह पूछताछ की आदत बहुत खतरनाक है। यदि जनता इसी तरह पूछती रही तो कई महान परंपराएं विलुप्त हो जाएंगी। आने वाली पीढ़ियां संग्रहालय में जाकर देखेंगी कि कभी यहां कट मनी नाम की परम्परा थी जो जनता के पैसे पर चलती थी। एक समय था जब हर योजना के साथ अदृश्य लाभार्थियों की लंबी सूची होती थी। अब लाभार्थी वही है, जो सच्ची मुच्ची में जिंदा है,जिसका नाम लिखा है। यह प्रशासनिक सादगी कुछ लोगों को वैसी ही लगती है जैसे रसगुल्ले से रस निकाल दिया जाए।

नई सरकार ने समाज में कुछ विचित्र परिवर्तन किए हैं। लोग अब अपने अधिकार की बात करते हैं। योजनाओं का हिसाब मांगते हैं। स्थानीय स्तर पर निगरानी करते हैं। अधिकारियों से प्रश्न पूछते हैं। पहले प्रश्न पूछना असभ्यता माना जाता था। अब उत्तर न देना असुविधाजनक माना जाने लगा है।

लोकतंत्र के लिए इससे बड़ी दुर्घटना और क्या होगी। अब तो हालत यह है कि कई लोग ईमानदारी को उपलब्धि बताने लगे हैं। जबकि हमारे यहां ईमानदारी मजबूरी मानी जाती थी। खैर, समय की अपनी जिद होती है। पुराने कट मनी वाले दिन अब इतिहास के एल्बम में रखी पीली पड़ चुकी तस्वीरों की तरह हैं। उन्हें देखकर कुछ लोगों की आंखें नम हो जाती हैं। वे उन दिनों को याद करते हैं जब जनता विकास का कच्चा माल हुआ करती थी। बंगाल अब एक नई झालमुडी की तरह है। जनता उसका मुरमुरा है। जितना अधिक कुरकुरा, उतना अच्छा। नई सरकार सरसों का तेल है। उसका काम हर दाने तक पहुंचना है, किसी एक कटोरी में जमा हो जाना नहीं। जवाबदेही प्याज है। उसे काटते ही कई पुरानी आंखों में पानी आ जाता है। पारदर्शिता हरी मिर्च है। खाते ही वे लोग उछल पड़ते हैं जिनकी जीभ वर्षों तक मलाईदार मसालों की अभ्यस्त रही है। कानून नींबू है। वह पूरे मिश्रण को ताजा और स्वादिष्ट बनाए रखता है। और कट मनी? वह झालमुडी में गलती से आ गया वह पुराना कंकड़ है जिसे कभी लोगों ने मसाला समझ लिया था।

आज चेतना का तकाजा है कि जनता मुरमुरा बनी रहे, कुरकुरी और जागरूक। सरकार तेल बनी रहे, सब तक समान रूप से पहुंचने वाली। प्याज, मिर्च और नींबू अपना काम करते रहें।

क्योंकि जिस दिन कंकड़ फिर से मसाला घोषित हो गया, उस दिन लोकतंत्र की झालमुडी खाने लायक नहीं बचेगी, केवल दांतों के डॉक्टरों का व्यापार बढ़ेगा।

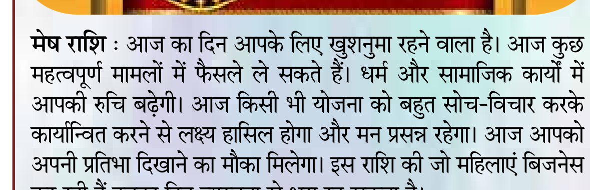

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसले ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज किसी भी योजना को बहुत सोच-विचार करके कार्यान्वित करने से लक्ष्य हासिल होगा और मन प्रसन्न रहेगा। आज आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा रह सकता है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना आपके लिए बहुत जरूरी रहेगा जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। सरकारी नौकरी में मनपसंद कार्यभार मिलने से आज कुछ राहत मिलेगी। आज व्यवसाय संबंधी जो भी डील मिले उसे हासिल करने में ज्यादा सोच-विचार ना करें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। पारिवारिक मतभेद आज समाप्त हो जाएंगे , घर का माहौल शांतिपूर्ण रहेगा। आज किसी दूसरे के मामले में बिना मांगे सलाह न दें। आप अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। आज अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय बच्चों के साथ बिताएं। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें।

कर्क राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आप ऑफीसियल कार्यों में ज्यादा व्यस्त रहेंगे और बेवजह की गतिविधियों में रुचि नहीं लेंगे। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। आज फिल्मी जगत से जुड़े लोगों को किसी नई फिल्म में काम करने का ऑफर आ सकता है। आज व्यवसाय में प्रोडक्शन के साथ मार्केटिंग से जुड़े कामों को भी व्यवस्थित करने पर ध्यान दें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। काफी दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जायेगा, जिससे मन प्रसन्न होगा। भावनात्मक रूप से आज आप खुद को बहुत मजबूत महसूस करेंगे। जो काम पिछले काफी समय से रुके हुए थे, आज वह कम मेहनत से ही सफल हो सकते है। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े किसी व्यक्ति की मदद आज आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। भाई- बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो आज दूर हो जाएगी। आज आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरुरत है जिससे आपकी कार्य योजना समय से पूरी हो जाये। आज परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज कार्यस्थल पर अधिक मेहनत करनी होगी, अपनी कार्य क्षमता में कमी न आने दें। आज रुका हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।आज बिना सोचे-समझे किसी पॉलिसी आदि में निवेश न करें। आज ऑफिस की कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव आएगा। आज विस्तार संबंधी योजनाओं को गंभीरता से लें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज धार्मिक कार्यों में कुछ पैसे खर्च कर सकते है साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका मिलेगा। आज दोस्तों के साथ ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य करने में बिजी रहेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। धनु लग्न या धनु राशि में जन्म लेने वाले लोगों आज अपने महत्वपूर्ण कार्यों की योजना बना लें, क्योंकि दोपहर बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में बहुत अनुकूल रहेंगी। आपके काम स्वतः ही बनने शुरू हो जाएंगे। आज व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से अधिक लाभ होगा। आज आपको धन लाभ के अनेक अवसर प्राप्त होंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं साथ में साइड बिजनेस शुरू करने की योजना बनाएंगे। आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी, जिन लोगों को पॉलिटिक्स में रुचि है, उन्हें आज किसी पार्टी मे बड़ा पद प्राप्त होने के योग हैं।

कुंभ राशिः आज आपका दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा अगर आज आप इंटरव्यू देने जा रहे है तो आपको सेलेक्ट कर लिया जायेगा। आज सोचे हुए काम समय पर बनते नजर आएंगे। आज विद्यार्थियों और युवाओं को करियर से जुड़ी किसी समस्या का समाधान मिलने से उन्हें राहत मिलेगी और आपको तरक्की करते देख कुछ लोगों में जलन की भावना जाग सकती है आज इन बातों को नजर अंदाज करें।

मीन राशिः आज के दिन आपको कुछ नए अनुभव होंगे। आज आपको किसी दूसरे के मामले में दखल देने से बचें। आज जमीन-जायदाद से जुड़े बिजनेस में बढ़िया लाभ होने की संभावना है अगर आज किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो किसी समझदार वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह जरूर माने , अन्यथा आपका पैसा फंस सकता है।

जब सुकून भी बिकने लगे

डॉ नीलम महेंद्र

सभ्यताएँ केवल अपने आविष्कारों से महान नहीं बनतीं, अपितु वे अपनी प्राथमिकताओं से इतिहास में याद रखी जाती हैं। हमारी सभ्यता ने अंतरिक्ष तक पहुँचने की क्षमता विकसित कर ली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का निर्माण कर लिया, सूचनाओं को प्रकाश की गति से भी तेज़ गति से दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँचा दिया,लेकिन इसी सभ्यता का मनुष्य आज रात भर चैन की नींद सोने के लिए संघर्ष कर रहा है। उसके पास सुविधा है, साधन हैं, संसाधन हैं, पर सुकून नहीं है। और शायद हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि अब सुकून भी एक उत्पाद बन चुका है। अच्छी नींद के लिए स्लीप क्लिनिक हैं, तनाव से मुक्ति के लिए माइंडफुलनेस प्रोग्राम हैं, जंगल में समय बिताने के लिए फॉरेस्ट बाथिंग है, तारों को निहारने के लिए स्टार बाथिंग है और मोबाइल से दूर रहने के लिए डिजिटल डिटॉक्स रिट्रीट। इनमें से किसी उपाय पर आपत्ति नहीं हो सकती, क्योंकि इनके लाभ वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हैं। प्रश्न केवल इतना है कि जिन अनुभवों पर कभी किसी का स्वामित्व नहीं था, वे आज पैकेज और प्रीमियम सेवाओं में क्यों बदल गए? क्या हमने जीवन इतना कृत्रिम बना लिया है कि अब अपनी सबसे स्वाभाविक ज़रूरतों तक पहुँचने के लिए भी बाज़ार की मध्यस्थता आवश्यक हो गई है?

दरअसल हाल ही में तीन समाचार लगभग एक साथ चर्चा में रहे। देश के गृह मंत्री ने सार्वजनिक रूप से बताया कि अपनी जीवनशैली में बदलाव कर उन्होंने मधुमेह पर विजय प्राप्त कर ली है। इतना ही नहीं बल्कि उन्होंने इंसुलिन एवं अन्य किसी भी प्रकार की एलोपैथिक दवा से भी मुक्ति पा ली है। इसी प्रकार जर्नल ऑफ एन्वायरमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में यह पाया गया कि रात में आकाश को निहारने का मानसिक स्वास्थ्य और खुशी के बीच सकारात्मक संबंध है। तो अब वेलनेस थेरेपी के अंतर्गत स्टार बाथिंग (रात में खुले आकाश के नीचे लेट कर तारों को निहारना) मानसिक स्वास्थ्य की चिकित्सा का रूप ले चुका है। इसी प्रकार एक अन्य रिपोर्ट में न्यूरोलॉजिस्टों ने चेतावनी दी है कि देर रात तक मोबाइल स्क्रीन देखने की आदत के कारण युवाओं से लेकर छोटे बच्चों तक में माइग्रेन और अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। खास बात यह है कि इस प्रकार के लक्षण किसी दवा से नहीं बल्कि स्क्रीन टाइम कम करने, रात को समय पर सोने, पर्याप्त नींद लेने जैसे साधारण उपायों से ठीक हो रहे हैं।

देखने में ये तीनों समाचार अलग-अलग हैं, लेकिन इनके भीतर एक ही संदेश छिपा है,मनुष्य अपनी प्राकृतिक जीवन-लय से दूर होता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में होने वाली लगभग 74 प्रतिशत मौतें गैर-संचारी रोगों के कारण होती हैं। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के अनुसार भारत में दस करोड़ से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि तेरह करोड़ से अधिक लोग प्रीडायबिटीज की स्थिति में हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद भी मानती है कि अनियमित दिनचर्या, तनाव, शारीरिक निष्क्रियता और असंतुलित भोजन इस संकट के प्रमुख कारण हैं। इसे क्या कहा जाए कि एक ओर चिकित्सा विज्ञान लगातार प्रगति कर रहा है, तो दूसरी ओर जीवन की स्वाभाविक लय लगातार टूट रही है। दरअसल समस्या केवल बीमारी नहीं है। समस्या यह है कि हमने सुविधा को ही विकास मान लिया है। हमने समय बचाने वाली मशीनें बनाईं, लेकिन अपने लिए समय नहीं बचा पाए। हमने श्रम कम किया, पर शरीर की सक्रियता छीन ली। हमने संचार के असंख्य साधन बना लिए, लेकिन संवाद खो दिया। हमने घरों को बड़ा बनाया, पर आँगन छोटे कर दिए। हम स्क्रीन के पहले कभी इतने जुड़े हुए नहीं थे और शायद भीतर से कभी इतने अकेले भी नहीं थे।

विकास की इस यात्रा में हमने बहुत कुछ पाया, लेकिन शायद उससे अधिक कुछ खो भी दिया।

आधुनिक उपभोक्तावादी व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह नहीं कि वह वस्तुएँ बेचती है, उसकी सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह जीवन के सामान्य अनुभवों को भी असाधारण बना देती है। जिस आकाश के नीचे कभी बच्चे ध्रुव तारा पहचानते थे, आज वही स्टार बाथिंग है। जिस जंगल को भारतीय परंपरा ने तप और आत्मचिंतन का स्थान माना, वही आज वेलनेस अनुभव बन गया है। नतीजन वस्तुएँ नई नहीं हैं, उन्हें देखने का हमारा दृष्टिकोण बदल गया है। आधुनिक उपभोक्तावाद की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने हमारी सबसे सामान्य आवश्यकताओं को भी विशेष अनुभव में बदल दिया। पहले स्वास्थ्य जीवन का परिणाम था, आज वह जीवन का प्रोजेक्ट बन गया है। पहले अनुशासन परिवार और परिवेश सिखाते थे, आज उसके लिए अलग से कोच, ऐप और कार्यक्रम उपलब्ध हैं। पहले सुबह की सैर किसी लक्ष्य का हिस्सा नहीं होती थी,वह दिनचर्या थी। आज वही कदम स्मार्ट वॉच गिनती है और उनकी संख्या हमारी उपलब्धि बन जाती है। कुछ दशक पहले तक गर्मियों की रातें आँगन और छतों पर बीतती थीं। बच्चे दादी-नानी से सप्तऋषि, ध्रुव तारे और चंद्रमा की कहानियाँ सुनते हुए सो जाते थे। गाँवों में किसान खुले आकाश के नीचे रात गुज़ारते थे। तब यह कोई वेलनेस एक्टिविटी नहीं थी, बल्कि जीवन की स्वाभाविक लय थी। आज वही अनुभव अंग्रेज़ी नाम, विशेषज्ञों की सलाह और पैकेजिंग के साथ लौट रहा है। यह केवल शब्दों का परिवर्तन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति का बाज़ारीकरण है। यही स्थिति भोजन, योग और ध्यान की भी है। सादा भोजन अब डिटॉक्स डाइट कहलाता है। उपवास इंटरमिटेंट फास्टिंग बन गया है। मौन माइंडफुलनेस है और योग अनेक स्थानों पर आत्मानुशासन से अधिक फिटनेस उद्योग का हिस्सा बन गया है। इन परिवर्तनों से लाभ मिल सकता है, लेकिन वे एक असुविधाजनक प्रश्न भी छोड़ जाते हैं,क्या हम अपनी परंपराओं को तब तक नहीं पहचानते जब तक वे विदेशी शब्दावली और आकर्षक पैकेजिंग में हमारे सामने वापस न आएँ?

भारतीय चिकित्सा परंपरा आयुर्वेद का मूल सिद्धांत है,स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्, अर्थात् चिकित्सा का पहला उद्देश्य रोगी का उपचार नहीं, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है। आज जब चिकित्सा और अस्पताल भी एक उद्योग बन चुके हैं, हमारे लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि स्वास्थ्य का पहला आधार दवा नहीं, बल्कि जीवन जीने का ढंग है। क्योंकि डॉक्टर उपचार दे सकता है, पर समय पर सोना, संतुलित भोजन करना, नियमित चलना और मानसिक संतुलन बनाए रखना अंततः व्यक्ति की अपनी जिम्मेदारी है। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक चिकित्सा, तकनीक या वेलनेस सेवाएँ अनावश्यक हैं। उन्होंने लाखों लोगों का जीवन बेहतर बनाया है। प्रश्न उनका अस्तित्व नहीं, बल्कि हमारी प्राथमिकताओं का है। यदि समाज पहले ऐसी परिस्थितियाँ निर्मित करे जिनमें तनाव, निष्क्रियता और अकेलापन सामान्य हो जाएँ, और फिर उन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए उद्योग खड़े करे, तो हमें केवल उपचार पर नहीं, कारणों पर भी विचार करना होगा। यही कारण है कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता नए वेलनेस ट्रेंड की नहीं, बल्कि जीवन की खोई हुई लय को पुनः स्थापित करने की है। स्वास्थ्य कोई ऐसा लक्ष्य नहीं जिसे सप्ताहांत में हासिल किया जाए, वह हर दिन जी जाने वाली छोटी-छोटी आदतों का संचय है। सुबह की धूप, थोड़ी-सी पैदल चाल, परिवार के साथ बैठकर खाया गया भोजन, पर्याप्त नींद, सीमित स्क्रीन समय और प्रकृति से नियमित संपर्क,इनका कोई विकल्प नहीं हो सकता। सभ्यता की वास्तविक परीक्षा उसकी ऊँची इमारतों या तेज़ इंटरनेट से नहीं होगी। उसका मूल्यांकन इस बात से होगा कि उसने मनुष्य को कितना संतुलित, स्वस्थ और भीतर से शांत बनाया। यदि विकास का परिणाम यह हो कि बच्चों को खेलने के लिए कृत्रिम पार्क, बड़ों को चलने के लिए ट्रेडमिल, नींद के लिए क्लिनिक और शांति के लिए रिट्रीट खोजने पड़ें, तो हमें विकास की परिभाषा पर पुनर्विचार करना ही होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बोले कपिल देव- विराट कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम

एजेंसी, चंडीगढ़

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे। कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था। यह 10 हजार रन या किसी रिकॉर्ड की बात नहीं थी। मुझे लगता है कि अगर वह छह महीने तक धैर्य रखते और गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं देते तो उनके पास टीम इंडिया में वापसी का पूरा अवसर था। कपिल ने साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनका मानना था कि अगर चयनकर्ता या कप्तान उन्हें मौका नहीं दे रहे थे, तो उन्हें हार मानकर संन्यास लेने की जगह पर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रन बनाकर अपनी जगह दोबारा हासिल करनी चाहिए थी। उन्होंने विश्वास जताया, अगर सेलेक्टर उन्हें नहीं चुनते तो भी कोई बात नहीं थी। अगर कप्तान टीम में जगह नहीं देता तो भी कोई समस्या नहीं थी। उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलकर रन बनाने चाहिए थे। उनमें टेस्ट क्रिकेट खेलने की क्षमता आज भी थी और मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी कर सकते थे।

कपिल ने विराट के आक्रामक स्वभाव की तुलना टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी जॉन मैकेनरो से की। उन्होंने बताया कि कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो चुनौती और टकराव के बीच ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं। उन्होंने कहा, विराट को देखकर मुझे जॉन मैकेनरो की याद आती है। वह जब तक लड़ते नहीं थे, तब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते थे। इसके विपरीत, उन्होंने राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे शांत स्वभाव के खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जो अपने बल्ले से जवाब देते थे। हालांकि, कपिल ने यह भी माना कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका अलग होता है और विराट उन्हीं में से एक हैं। कपिल देव ने स्वीकार किया कि कई बार विराट का आक्रामक रवैया जरूरत से ज्यादा नजर आता था, लेकिन संभव है कि यही उनकी सफलता की सबसे बड़ी वजह भी रही हो।

ब्राजील के विश्वकप से बाहर होने से निराश नेमार ने संन्यास लिया

एजेंसी, न्यूजर्सी

ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 फुटबॉलर टूर्नामेंट से बाहर होने से निराश स्टार स्ट्राइकर नेमार ने खेल को ही अलविदा कह दिया है। पांच बार की विजेता ब्राजील इस बार उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पायी और उसे नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के निर्णायक मुकाबले में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इससे ब्राजील का छठी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। इस अप्रत्याशित हार के साथ ही नेमार का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर भी अचानक ही समाप्त हो गया। इस स्टार खिलाड़ी के संन्यास से जहां फुटबॉल जगत हैरान हैं वहीं नेमार के प्रशंसक भी हताश नजर आये। हार के बाद नेमार काफी भावुक नजर आए, जिस स्टेडियम से उन्होंने ब्राजील के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। अब वहीं से अपने करियर को अलविदा कह दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैंने प्रयास किया पर अब अवसर नहीं है। मैंने यहीं से शुरुआत की थी और यहीं इसे खत्म कर दिया। उनका ये बयान गहरी निराशा और ब्राजील के लिए विश्व कप जीतने के अधूरे सपने को दिखाता है। वह पिछले कुछ समय से लगातार चोटों से जूझ रहे थे जो उनके संन्यास का एक बड़ा कारण बना है। गौरतलब है क नेमार का अंतरराष्ट्रीय सफर साल 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ ब्राजील की ओर से डेब्यू के साथ शुरू हुआ था। 16 साल के अपने करियर में उन्होंने ब्राजील के लिए कुल 129 मैचों में रिकॉर्ड 80 गोल किये। इस उपलब्धि के साथ ही नेमार ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। नेमार का करियर उपलब्धियों से भरा रहा है, जिसमें रियो ओलंपिक 2016 में स्वर्ण पदक और 2013 में कन्फेडरेशन कप की जीत भी शामिल है पर वह फीफा विश्वकप नहीं जीत पाये जिसकी कमी उन्हें जीवन भर खलेगी।

आगामी एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे बुमराह

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मैदान पर लौट आये हैं। बुमराह को इंग्लैंड दौर पर टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करते हुए ब्रेक दिया गया है। जिससे वह आने वाली टेस्ट सीरीज और एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारी कर सकें। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है जिसमें वह लाल गेंद से अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी मैदान पर वापसी से प्रशंसक भी उत्साहित हैं। उनकी यह वापसी टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर जब टीम का ध्यान आगामी एकदिवीसीय और टेस्ट सीरीज को देखते हुए रणनीति बना रही है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह आईपीएल में प्रभावित नहीं कर पाये। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भी आराम दिया गया था। अब उनका पूरा ध्यान 14 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद श्रीलंका दौरे पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों पर है। इसके अलावा, उन्हें एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। बुमराह के लिए इस बार आईपीएल सत्र अच्छा नहीं रहा और वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 13 मैचों में केवल 4 विकेट ले पाये। इसमें उनका औसत 102.50 और इकोनॉमी 8.36 रही।

रायुडू ने की वैभव की तारीफ पर बोले, सैमसन का योगदान न भूलें

एजेंसी, हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये जाने को लेकर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। रायुडू के अनुसार उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण खुशी की बात है पर इसके उत्साह में हमें संजू सैमसन के भारतीय क्रिकेटर में शानदार योगदान को नहीं भूलना चाहिये। साथ ही उम्मीद जतायी की वह फिर वापसी करेंगे। रायुडू ने सोशल मीडिया में लिखा, सैमसन के बारे में भी थोड़ा सोचें। वैभव का डेब्यू देखकर बेहद खुशी हुई और यह निश्चित रूप से एक जश्न मनाने लायक पल है पर यह मत भूलिए कि कुछ समय पहले ही सैमसन ने टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने कहा कि सैमसन हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के सबसे बड़े नायकों में से एक रहे थे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में न केवल लगातार रन बनाए, बल्कि अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई महत्वपूर्ण मैचों में टीम को जीत दिलाई ऐसे में केवल एक दो खराब पारी के कारण उन्हें टीम से बाहर किया जाना सही नहीं है।

तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरे भारतीय टीम : दीप दास गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता का कहना है कि भारतीय टीम को अपने गेंदबाजी संयोजन पर फिर से विचार करना चाहिये। दीप दास ने ये बात इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम की हार के बाद कही। उनका कहना है कि भारतीय गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि टीम प्रबंधन को सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए एक और तेज गेंदबाज को शामिल करना चाहिये। अभी भारतीय टीम दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतर रही है जबकि उसे तीन तेज गेदबाजों और एक ऑलरांडर के साथा उतरना चाहिये। दासगुप्ता ने कहा कि एक तेज गेंदबाज को शामिल करना इसलिए जरुरी है जिससे कि अगर मुख्य तेज गेंदबाजों में से कोई एक असफल रहता है तो दूसरा कमान संभाल सकता है। अभी के हालात ऐसे हैं कि गेंदबाजी कमजोर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जब टीम दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर शिवम दुबे पर ही निर्भर रहती है तो उन पर दबाव बढ़ जाता है। दासगुप्ता ने कहा, भारतीय टीम के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण उनका गेंदबाजी संयोजन है। साथ ही कहा कि जब आप केवल दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतरते हैं तो अगर उनमें से एक भी असफल होता है तो आपके विकल्प समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि तेज गेंदबाजी विभाग में वैसा विकल्प न होने से इंग्लैंड टीम के लिए बीच के ओवरों में मैच पर पकड़ बनाना कठिन हो जाता है।

बिजनेस

आस्था स्पिनटेक्स ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉटन यार्न का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी आस्था स्पिनटेक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4.41 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 130 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद इस शेयर की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। लिवाली का सपोर्ट मिलने पर कुछ देर के लिए ये शेयर उछल कर 136.50 के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा। हालांकि बाद में बिकवाली शुरू हो जाने पर इसका अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद आस्था स्पिनटेक्स के शेयर 136.49 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह डिस्काउंट लिस्टिंग होने के बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 49 पैसे यानी 0.36 प्रतिशत के मामूली मुनाफे में रहे। आस्था स्पिनटेक्स का 170 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 जून से एक जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.29 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.54 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 5.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.25 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी फाल्कन यार्न्स प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.29 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 22.92 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 17.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 239.69 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 305.67 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 352.17 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 314.02 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 32.70 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 49.07 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 91.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, ब्रेंड क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच क्रूड ऑयल की जरूरतों के बड़े हिस्से की आवाजाही और सप्लाई के लिए अहम होर्मुज स्ट्रेट से तेल और गैस से लदे जहाज अब निकलने लगे हैं। इन सबके बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। यह 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 0.28 डॉलर यानी 0.39 फीसदी फिसलकर 71.84 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) 0.18 डॉलर यानी 0.26 फीसदी टूटकर 68.51 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।इस बीच ओपेक प्लस देशों ने भी अगले महीने से कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। सऊदी अरब और रूस की अगुवाई में सात देशों ने हर दिन 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त क्रूड ऑयल के उत्पादन की मंजूरी दी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से रविवार को तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही पहले के मुकाबले बेहतर दिखी। यूरिया, डीएपी और सल्फर ला रहे 15 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज से गुजर चुके हैं। ये सभी जहाज भारत के बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं।

सऊदी अरब की रियाद एयर 4 अगस्त से मुंबई के लिए शुरू करेगी रोजाना उड़ानें

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई

सऊदी अरब की विमानन कंपनी 'रियाद एयर' ने भारत में अपना परिचालन शुरू करने की सोमवार को घोषणा की। 'रियाद एयर' 4 अगस्त से रियाद और मुंबई के बीच रोजाना सीधी उड़ानें शुरू करेगी। कंपनी ने कहा कि इस नई सेवा के लिए बुकिंग 6 जुलाई से शुरू होगी। एयरलाइन ने एक बयान में बताया कि मुंबई-रियाद के बीच चार अगस्त से सीधी दैनिक उड़ान शुरू की जाएगी। मुंबई और रियाद के बीच यह दैनिक सेवा बोइंग बी787-9 विमान से संचालित की जाएगी, जिसमें बिजनेस एलीट, बिजनेस, प्रीमियम इकोनॉमी और इकोनॉमी की 4 श्रेणियां होंगी।

कंपनी ने कहा कि इस नए रूट से उसका नेटवर्क नौ गंतव्य तक बढ़ जाएगा। इससे सऊदी अरब और बड़े अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय हब के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करने की उसकी योजना को भी मदद मिलेगी। एयरलाइन ने कहा कि मुंबई से उड़ान भरने वाले यात्रियों को रियाद के जरिए यूरोप और मिडिल ईस्ट के शहरों जैसे- लंदन, मैड्रिड, जेद्दा और काहिरा के लिए आगे की कनेक्टिंग फ़्लाइट्स भी मिलेंगी। सऊदी अरब के संप्रभु धन कोष पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड (पीपीएफ) समर्थित विमानन कंपनी रियाद एयर ने कहा कि मुंबई रूट भारत के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाता है, जो दुनिया के सबसे बड़े और तेज़ी से बढ़ते एविएशन मार्केट में से एक है। उम्मीद है कि यह सेवा बिज़नेस और घूमने-फिरने के लिए यात्रा करने वालों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच आने-जाने वाले प्रवासी समुदायों की ज़रूरतों को भी पूरा करेगी।

आस्था स्पिनटेक्स की स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉटन यार्न का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी आस्था स्पिनटेक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4.41 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 130 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का सपोर्ट मिलने के कारण ये शेयर उछल कर 135 रुपये तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर इसके भाव में दोबारा गिरावट आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 130.30 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 5.70 रुपये यानी 4.19 प्रतिशत के नुकसान में थे। आस्था स्पिनटेक्स का 170 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 जून से एक जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.29 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.54 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 5.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.25 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी फाल्कन यार्न्स प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार की मामूली गिरावट के साथ शुरुआत, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली : घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,34,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,36,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,36,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

स्टॉक मार्केट में एडॉन एग्रो की मजबूत शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

ड्राइफ्रूट्स, नट्स, बेरीज और सीड्स के कारोबार में लगी कंपनी एडॉन एग्रो कमोडिटीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मजबूत एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 11.79 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 78.25 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण थोड़ी देर में ही कंपनी के शेयर उछल कर 82.16 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के काराबोर में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 12.16 रुपये यानी 17.37 प्रतिशत का फायदा हो गया। कंपनी का 44.03 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 जून से एक जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 22.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.84 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 62.90 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एडॉन एग्रो कमोडिटीज लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

फिल्म

अल्फा की एंट्री से वेलकम टू द जंगल की रफ्तार धीमी

100 करोड़ क्लब से चंद कदम दूर, कैरी ऑन जट्टा 4 की कमाई में भी गिरावट

अ अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। 26 जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले सप्ताह में दमदार कमाई करते हुए 93.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हालांकि दूसरे सप्ताह में आलिया भट्ट की नई रिलीज अल्फा से मिली कड़ी टक्कर का असर फिल्म की कमाई पर दिखाई दिया। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के आठवें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को 4.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 97.65 करोड़ रुपये पहुंच गई है। अब फिल्म को 100 करोड़ क्लब में शामिल होने के लिए केवल 2.35 करोड़ रुपये की जरूरत है। फिल्म ने पेड प्रीव्यू से 3.37 करोड़ रुपये की शुरुआत की थी। इसके बाद पहले दिन 15.25 करोड़, दूसरे दिन 20 करोड़ और तीसरे दिन 20.75 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया। सप्ताह के दिनों में कमाई में सामान्य गिरावट के बावजूद फिल्म ने पहले सप्ताह में मजबूत प्रदर्शन दर्ज कराया। कैरी ऑन जट्टा 4 की कमाई में भी गिरावटः गिप्पी ग्रेवाल और सरगुन मेहता अभिनीत पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 की रफ्तार भी दूसरे सप्ताह में धीमी पड़ गई है। पहले सप्ताह में 12.25 करोड़ रुपये कमाने वाली इस फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को 0.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म की कमाई में पहले की तुलना में गिरावट दर्ज की गई। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर कॉकटेल 2 की कमाई तीसरे सप्ताह में काफी घट गई है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 0.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 90.15 करोड़ रुपये पहुंच गई है। सामंथा रुथ प्रभु अभिनीत मां इंति बंगारम की कमाई में भी तीसरे शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली। फिल्म ने 0.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया और इसकी कुल कमाई 54.70 करोड़ रुपये हो गई। इम्तियाज अली निर्देशित मैं वापस आऊंगा चौथे सप्ताह में भी बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने में सफल रही। फिल्म ने रिलीज के 22वें दिन यानी चौथे शुक्रवार को 1.05 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 53.30 करोड़ रुपये पहुंच गया।

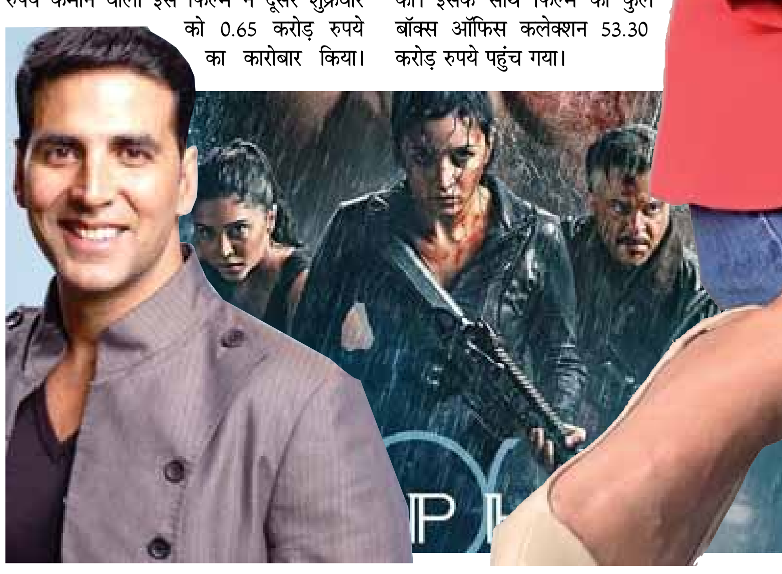

इंटीमेट सीन सिर्फ काम का हिस्सा, निजी जिंदगी से नहीं जोड़ना चाहिएः सिंपल कौल

टी टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री सिंपल कौल अपने दमदार अभिनय के साथ-साथ बेबाक अंदाज के लिए भी पहचानी जाती हैं। शरारत, तारक मेहता का उल्टा चश्मा और कई लोकप्रिय टीवी शोज में अपनी अलग पहचान बना चुकीं सिंपल इस बार इंटीमेट सीन्स और रिश्तों को लेकर दिए गए अपने बयान की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि किसी अभिनेता का स्क्रिप्ट की मांग पर किसिंग या इंटीमेट सीन करना सिर्फ उसके पेशे का हिस्सा है। इसे निजी जिंदगी या रिश्तों से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। सिंपल कौल ने कहा, अभिनय एक पेशा है और इस पेशे में कलाकारों को कहानी की जरूरत के अनुसार अलग-अलग तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। अगर किसी स्क्रिप्ट में किसिंग सीन या कोई अन्य इंटीमेट सीन जरूरी है, तो अभिनेता उसी के अनुसार अपना काम करते हैं। ऐसे सीन को निजी जिंदगी से जोड़ना सही नहीं है, क्योंकि कलाकार उस समय केवल अपने किरदार को निभा रहे होते हैं। दर्शकों को यह समझना चाहिए कि कैमरे के सामने जो दिखाई देता है, वह कहानी का हिस्सा होता है, न कि कलाकार की निजी जिंदगी।

सिंपल कौल ने अपने निजी जीवन का उदाहरण देते हुए भी इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, अगर मेरे पति को किसी फिल्म या शो में ऐसे कोई सीन करना पड़े, तो मुझे इससे कोई परेशानी नहीं होगी। एक रिश्ते में सबसे जरूरी चीज भरोसा होता है। अगर दोनों लोगों के बीच विश्वास मजबूत है, तो ऐसे सीन्स से रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ता। हालांकि, उन्होंने आगे कहा, पेशेवर काम और निजी रिश्तों के बीच बहुत बड़ा अंतर होता है। अगर कोई व्यक्ति अपने रिश्ते के बाहर किसी और के साथ संबंध बनाता है, तो वह पूरी तरह गलत है। काम के लिए कैमरे के सामने किया गया अभिनय और असल जिंदगी में किसी के साथ रिश्ता बनाना एक जैसा नहीं है। दोनों बातों की तुलना करना सही नहीं है। सिंपल कौल ने कहा, चीटिंग का कोई दूसरा अर्थ नहीं होता। धोखा आखिर धोखा ही होता है। अगर दो लोग एक-दूसरे से सच्चा प्यार करते हैं, तो उन्हें अपने रिश्ते के प्रति पूरी ईमानदारी रखनी चाहिए। किसी भी मजबूत रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है और जब यह भरोसा टूटता है, तो रिश्ता भी कमजोर पड़ जाता है। उन्होंने आगे कहा, यदि किसी व्यक्ति के मन में किसी और के लिए आकर्षण पैदा होता है या रिश्ते में कोई परेशानी आती है, तो उसे छिपाने के बजाय अपने साथी से खुलकर बात करनी चाहिए। कई बार लोग सच बताने से बचते हैं, जिससे बाद में गलतफहमियां और बड़े विवाद पैदा होते हैं। इसलिए रिश्ते में बातचीत बनाए रखना और अपनी भावनाओं को ईमानदारी से साझा करना बेहद जरूरी है।

पवन कल्याण की ओजी 2 में पूजा हेगड़े होंगी शामिल?

लग सकता है बड़ा दांव

प पवन कल्याण की फिल्म दे कॉल हिम ओजी पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दर्शकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, निर्माताओं ने इसकी दूसरी कड़ी का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। हाल ही में, अभिनेता की टीम की तरफ से एक पोस्ट के जरिए सीक्वल पर अपडेट साझा किया गया था। अब खबर है कि इस एक्शन ड्रामा के दूसरे भाग में अभिनेत्री के तौर पर पूजा हेगड़े को शामिल किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओजी 2 में पूजा को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेजी से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फिल्म की पहली कड़ी में प्रियंका मोहन ने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया था, लेकिन कहानी के बीच में उनकी मौत का दृश्य देखने को मिला था। इसलिए, सीक्वल के लिए पूजा का नाम चर्चा में है। हाल ही में, निर्माताओं ने ओजी 2 का ऐलान करते हुए एक वीडियो साझा किया था। इसमें पवन के साथ निर्देशक सुजीत की पहली रचनात्मक बैठक को दिखाया गया था। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा था, तूफान आने से पहले... एक पल का मौन छा जाता है। गंभीरा की अनकही कहानी अब सामने आने के लिए तैयार है। साथ में ओजी यूनिवर्स लिखा था। इस ऐलान के बाद से फैंस परियोजना को लेकर बेहद उत्साहित चल रहे हैं।

लाफ्टर शेफ्स 3 के अनुभव सहेज कर रखना चाहती है निया शर्मा

छो छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री निया शर्मा लाफ्टर शेफ्स के तीसरे सीजन के खत्म होने पर बेहद भावुक नजर आईं। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में निया ने शो के फिनाले एपिसोड के कुछ खास पलों का एक वीडियो साझा किया। निया शर्मा इस वीडियो के साथ एक भावुक पोस्ट भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपने अनुभव को दुनिया की किसी भी चीज के बदले न छोड़ने की बात कही। निया शर्मा ने बताया कि इस शो के तीन सीजन बीत चुके हैं, लेकिन हर बार वही भावनाएं रही हैं - शो के खत्म होने पर आंखों से बहते आंसू और प्यार भरा दिल, जैसा कि पिछले सीजनों में भी देखने को मिला था। निया ने स्पष्ट किया कि इस शो से उन्हें जो अनुभव और प्यार मिला है, उसे वह किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ सकतीं, क्योंकि यह उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने अपने इस भावुक वीडियो के बैकग्राउंड में मशहूर गाना अभी न जाओ छोड़ कर भी जोड़ा, जिसने उनकी भावनाओं को और गहरा कर दिया। लाफ्टर शेफ्स 3 का आखिरी एपिसोड 28 जून को टेलीकास्ट हुआ, जिसके साथ एक और सफल सीजन का समापन हो गया। यह पसंदीदा शो अपने अनोखे कॉन्सेप्ट के लिए जाना जाता है, जहां सेलिब्रिटीज खाना पकाने के साथ-साथ कॉमेडी भी करते हैं, जिससे दर्शकों का खूब मनोरंजन होता है। इस तीसरे सीजन में अली गोनी, रीम शेख, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, राहुल वैद्य, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, निया शर्मा, सुदेश लहरी, कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह जैसे कई बड़े और लोकप्रिय स्टार्स शामिल थे, जिन्होंने अपनी मस्ती और टैलेंट से शो में चार चांद लगा दिए। मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह ने शो की मेजबानी की, जबकि जाने-माने शेफ हरपाल सिंह सोखी ने जज की भूमिका निभाई। शो के समापन पर अपनी भावनाओं को साझा करने के अलावा, निया शर्मा ने आज की तेजी से बदलती एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में स्टारडम को कैसे देखा जाता है, इस पर भी अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने इंस्टा पर अपना एक ग्लैमरस वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि आजकल फेम इंस्टेंट नूडल्स जैसा है, जिसका हर कोई तुरंत मजा लेना चाहता है। इस टिप्पणी पर उनकी करीबी दोस्त और अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा ने भी एक मजेदार कमेंट किया, ज्यादा से ज्यादा 2 मिनट के लिए, जो आज के सोशल मीडिया फेम की क्षणभंगुरता को दर्शाता है। निया शर्मा टेलीविजन पर अपने प्रभावशाली काम के लिए जानी जाती हैं, जिसमें बहनें, एक हजारों में मेरी बहना है, मेरी दुर्गा और काली - एक अग्निपरीक्षा जैसे लोकप्रिय शो शामिल हैं।

मस्कारा खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही विकल्प

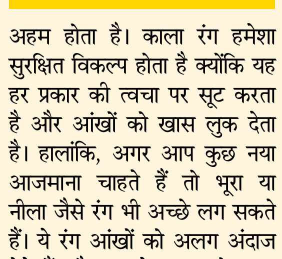

म मस्कारा एक ऐसी सुंदरता बढ़ाने वाली चीज़ है, जो आंखों की खूबसूरती को बढ़ाने में मदद करती है। सही मस्कारा चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है क्योंकि बाजार में कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। ऐसे में आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आप अपने लिए सबसे अच्छा मस्कारा चुन सकें। इस लेख में हम आपको मस्कारा खरीदते समय ध्यान देने योग्य 5 अहम बातें बताएंगे, जो आपकी मदद करेंगी।

अपनी पलकों के प्रकार को समझेंः मस्कारा खरीदते समय सबसे पहले अपनी पलकों के प्रकार को समझना जरूरी है। अगर आपकी पलकें पतली और हल्की हैं तो घना दिखाने वाला मस्कारा चुनें। इससे आपकी पलकें भरी-भरी दिखेंगी, वहीं अगर आपकी पलकें पहले से ही लंबी और घनी हैं तो आपको लंबाई बढ़ाने वाला मस्कारा चाहिए होगा। यह आपकी पलकें और भी ज्यादा आकर्षक बनाएगा और आपके लुक को खास बनाएगा।

ब्रश की बनावट पर ध्यान देंः मस्कारा खरीदते समय ब्रश की बनावट पर खास ध्यान देना चाहिए क्योंकि इसका असर आपके लुक पर पड़ता है। अगर आप घने ब्रश वाले मस्कारा का इस्तेमाल करेंगे तो यह आपकी पलकें को अच्छी तरह से कोट करेगा और उन्हें अलग-अलग करेगा। वहीं अगर ब्रश पतला होता है तो यह आपकी पलकें को लंबा और घना बनाएगा। इसलिए अपनी जरूरत अनुसार ब्रश की बनावट चुनें ताकि आपका लुक बेहतरीन लगे।

जलरोधी या सामान्य का चयन करेंः मस्कारा खरीदते समय यह तय करना जरूरी है कि आपको पानी से बचाने वाला मस्कारा चाहिए या सामान्य। पानी से बचाने वाला मस्कारा बारिश, पसीने या आंसुओं से बचाता है और पूरे दिन चलता रहता है, वहीं सामान्य मस्कारा आसानी से साफ हो जाता है और त्वचा पर हल्का महसूस होता है। अगर आप रोजाना मेकअप करते हैं तो पानी से बचाने वाला मस्कारा बेहतर रहेगा क्योंकि यह लंबे समय तक टिकता है और ब्लेंडिंग में भी मदद करता है।

रंग का चयन करेंः मस्कारा खरीदते समय रंग का चयन भी अहम होता है। काला रंग हमेशा सुरक्षित विकल्प होता है क्योंकि यह हर प्रकार की त्वचा पर सूट करता है और आंखों को खास लुक देता है। हालांकि, अगर आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो भूरा या नीला जैसे रंग भी अच्छे लग सकते हैं। ये रंग आंखों को अलग अंदाज देते हैं और आपके लुक को खास बनाते हैं। अंतिम लेकिन अहम बात यह है कि मस्कारा खरीदते समय ब्रांड पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा किसी प्रसिद्ध ब्रांड का मस्कारा चुनें जो अच्छी गुणवत्ता और भरोसेमंद हो। इससे आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे और आपकी आंखें खूबसूरत दिखेंगी। इन 5 बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही मस्कारा चुन सकते हैं जो आपकी आंखों को सबसे अच्छा लुक देगा।

भाई के साथ फैशन बिजनेस के क्षेत्र में कदम रखा रिया चक्रवर्ती ने

का कानूनी मामलों में फंसने के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती की जिंदगी अब पटरी पर आ गई है। रिया ने अपने भाई के साथ मिलकर फैशन बिजनेस के क्षेत्र में कदम रखा है। साल 2020 में बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें मीडिया और कानूनी जांच के केंद्र में ला दिया। रिया उस समय सुशांत को डेट कर रही थीं, लेकिन सुशांत की संदिग्ध मौत से वह कई सवालों के घेरे में आ गईं। इस मामले में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के कारण उन्हें अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ लगभग 28 दिन जेल में बिताने पड़े थे, जो उनके जीवन का सबसे मुश्किल दौर था। हालांकि, लगभग 5 वर्षों के इस मुश्किल समय के बाद केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मार्च 2025 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर रिया को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में क्लीन चिट दे दी। जानकारी के मुताबिक, साल 2020 के उस मुश्किल दौर के बाद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया था, जिससे उनके करियर पर एक बड़ा ब्रेक लग गया। उस समय उन्होंने हार नहीं मानी और साल 2023 में अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर एक स्ट्रीटवियर फैशन ब्रांड शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने चैप्टर 2 ड्रिप रखा। यह ब्रांड ओवरसाइज़्ड टी-शर्ट, हुडी और अन्य यूनीसेक्स कपड़ों के लिए जाना जाता है, जिसकी वैल्यूएशन बहुत ही कम समय में करोड़ों में हो गई है। यह उनके संघर्ष, दृढ़ता और नए सिरे से शुरुआत करने की क्षमता को दर्शाता है, जिससे उन्होंने अपने लिए एक नया रास्ता तैयार किया। मालूम हो कि रिया चक्रवर्ती एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर सोशल मीडिया, टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान बनाई है। रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई 1992 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती आर्मी में रहे हैं, और रिया ने अपनी शुरुआती पढ़ाई अंबाला कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल से की। रिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में एमटीवी पर आए रियलिटी शो टीवीएस स्कूटी टीन दिवा से की, जिसमें वह पहली रनर-अप रहीं। इसके बाद वह पेप्सी एनटीवी वासुप, टिकटैक कॉलेज बीट, एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स और एमटीवी रोडीज - कर्म या कांड जैसे कई लोकप्रिय रियलिटी शो में बतौर होस्ट के रूप में नजर आईं, जहां उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी।

Opposition has history of 'insulting' Hindu faith, opposing Ram Temple: BJP chief

New Delhi, Agency: BJP national president Nitin Nabin on Sunday attacked the Opposition over the Ram Temple issue, accusing it of having a history of "insulting" Hindu faith and opposing the Ram Temple movement.

He said no one would be allowed to hurt devotees' sentiments.

Addressing BJP workers in Lucknow, Nabin, without referring to the recent alleged donation theft case at the Ram Temple, said the government would act where required, but alleged that parties which had "insulted" the Hindu faith lacked the moral authority to question the temple authorities.

Referring to the Ram Temple movement, he said, "These are the same people who questioned Lord Ram's existence, filed an affidavit in the Supreme Court calling Lord Ram imaginary, questioned the existence of the Ram Setu and ordered firing on kar sevaks." He said those now speaking about faith had earlier opposed the Ram Temple movement. "I want to state this clearly today... Even if our blood is shed, we will not allow anyone to tamper with the faith linked to Lord Ram's temple. We are prepared to make any sacrifice for it," he said.

"We will take action and we will rectify shortcomings wherever necessary. But these anti-Hindu forces, which have always insulted Hinduism, have no moral right to preach politics to us. Rahul Gandhi, Akhilesh Yadav and Arvind Kejriwal, do not think Hindu society is so weak that it will fall into your trap or act according to your dictates," he said. Recalling the Ram Janmabhoomi movement, Nabin said his father had participated as a kar sevak and had spent two months in jail. "My father had left Patna as a kar sevak and spent two months in jail. We did not know whether he would return home safely. And today you question our faith? We have made so many sacrifices and endured so much.

Can your family ever match that sacrifice and martyrdom? Your legacy is of bloodshed and firing on Hindus, while our legacy is of making sacrifices to protect the faith of our gods and goddesses," he said.

Just 28% NGOs, associations ever registered under FCRA currently active

New Delhi, Agency: Barely 27.7% of NGOs and associations ever registered under the Foreign Contribution (Regulation) Act, 2010, are currently active, with licences of the other 72.3% either cancelled or deemed expired.Since the home ministry started maintaining data on entities with valid FCRA registration in 2012, altogether 52,159 of them were granted licences to receive foreign funds. Of these, only 14,455 NGOs/associations currently have an 'active' FCRA licence; in other words, only they can receive foreign funding for the purposes listed under the 2011 rules. The registration of 22,498 NGOs has been cancelled, mostly since 2015, when over 10,000 associations lost their FCRA registration. The licences of another 15,206 NGOs are deemed cancelled, essentially after govt tightened FCRA law to make the NGOs more accountable in terms of financial transparency, use of foreign funds for declared purposes, and administrative control and expenses.

They failed to adhere to the tightened norms or voluntarily chose not to renew their registration after its five-year validity expired. State/UT-wise MHA data on associations with active, cancelled and deemed expired FCRA registration puts Tamil Nadu on top of the list.

As of date, the southern state has 2,104 active NGOs, while the licences of 2,865 have been cancelled and those of 1,774 NGOs, deemed expired. Tamil Nadu is a state known to have a major presence of NGOs, some of which were actively involved in protests against projects like the Kudankulam nuclear power plant. A secret dossier then prepared by Intelligence Bureau had linked them to influential foreign non-profits and claimed that the protests were orchestrated to sabotage development projects and economic progress in India. Many of these NGOs were eventually stripped of their registration for having violated FCRA norms, including one that bars foreign-funded NGOs from engaging in activities prejudicial to national interest.

The state with the second highest number of active NGOs is Maharashtra. Of the 5,440 FCRA-registered NGOs there, 1,583 are currently active, while the licences of 2,211 have been cancelled and those of 1,646, deemed expired since 2012.

Data on state-wise percentage of NGOs with "cancelled" and "deemed expired" status shows Bihar at the top with 85.2% of them in these two categories, followed by UP (83.7%), Nagaland (83.3%), Tripura (80%), Maharashtra (78.9%), Manipur (78.6%) and Bengal (78.2%).

Childcare, housework keep 69% urban women out of work: NSO

New Delhi, Agency: Childcare and household chores keep around 69% women out of the labour force in India's top 46 cities with million-plus population, highlighting the gender-bias in nature of care work even among the more affluent areas of the country, a new National Statistics Office survey has shown. The survey on labour market indicators for the large cities, first reported by Media on Tuesday, showed that just 1% of the women cited "social reasons" for being out of the labour force, although the report did not elaborate on it.

In contrast, 1% of men cited childcare and household work as the reason for being out of the labour force. India has among the lowest female labour force participation rates among the world's major economies, estimated at 30.7% in 2025, although it has shown an upward trend in recent years. Within the country, the trends vary across cities. For instance, 83% women in Howrah cited childcare and household chores as the reason for being out of the labour force, followed by Surat (81%), Pimpri Chinchwad and Bhopal (78%), and Dhanbad (77%).

15 of 20 fertiliser ships stuck at Hormuz set sail, relief for farmers

New Delhi, Agency: Fifteen out of 20 India-bound ships in the Persian Gulf carrying fertiliser cargo have safely crossed the Strait of Hormuz, which will help augment the country's soil nutrient stocks, govt said Sunday. In addition, for three consecutive months - April to June - domestic urea production has surpassed the target, with 71.6 lakh tonnes having been produced in these months as against the target of 67.9 lakh tonnes. The two developments will ensure adequate fertiliser availability for farmers during the ongoing kharif crop cultivation, officials said. Fertiliser minister J P Nadda said govt had focused on getting soil nutrients through alternative routes during the crisis. He added that Indian missions abroad had actively assisted the department in establishing contact with potential global producers and suppliers.

Mercedes car hits scooter travelling on 'wrong side' in Gurugram, 1 killed

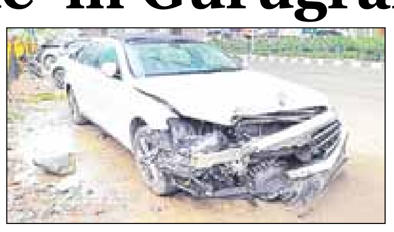

Gurugram, Agency: A 32-year-old scooter rider, who was allegedly travelling on the wrong side of the Sohna elevated road, was killed after his two-wheeler collided head-on with a Mercedes near Vatika Chowk Saturday night, police said on Sunday. The deceased was identified as Vipin Kumar, a resident of Jharsa, Sector 32, police said.

According to investigators, Kumar was riding his Honda Activa towards Sohna from Subhash Chowk in the wrong direction when it collided head-on with a white Mercedes-Benz E-Class registered in Faridabad on the elevated section of Sohna Road above Vatika Chowk between 11.45pm on Saturday and 12.10am on Sunday. Police said the Mercedes, carrying a couple and two children, was travelling towards Rajiv Chowk from Sohna. The occupants of the car escaped unhurt. The impact extensively damaged the car's front and completely crumpled the scooter, officers added.

Sandeep Turan, public relations officer of Gurugram police, said the Mercedes driver alerted the police control room immediately after the crash and submitted dashcam footage of the incident. "The driver had submitted the dashcam footage to the police. Prima facie, it seems that Kumar was travelling in the wrong direction, which resulted in the accident," he said.

Turan said commuters stopped a passing ambulance and rushed Kumar to the Civil Hospital in Sector 10A, where doctors declared him dead on arrival. "He had sustained severe head injuries as he was flung in the air and landed on the car's windscreen," he said.

Meanwhile, Kumar's uncle Hari Singh alleged that the family was informed about the accident nearly five hours later. "We rushed to civil hospital to find him dead. Police were initially not ready to register even an FIR in the case while trying to save the Mercedes driver and blaming everything on my nephew," he told HT.

Meta told to remove child abuse content from Instagram

New Delhi, Agency: The Ministry of Electronics and Information Technology has issued a notice to the US giant, Meta, ordering it to remove all child sexual abuse material appearing in s on Instagram.

The ministry has sought a detailed response from Meta within seven days. It also said failure to provide the requested information could result in legal action.

The social media platform allegedly displayed s containing objectionable terms, which directed users to Telegram channels where such material was reportedly being sold.

The government asked how such s were approved, what corrective measures Meta had taken since the allegations surfaced and what safeguards it planned to put in place to prevent similar incidents in the future. In a statement earlier, Meta said it has a "zero-tolerance policy for soliciting or sharing" such content, adding that its teams were constantly working to improve its defences.

The government's action follows reports and an international media investigation alleging that paid s on Instagram were directing users to external platforms hosting child sexual abuse material. Some s allegedly used coded language and links to facilitate access to illegal content.

In a first, Hindu members included in Madhya Pradesh Wakf board after law amendment

New Delhi, Agency: Madhya Pradesh has become the first state in the country to reconstitute its Wakf Board under the Wakf (Amendment) Act, 2025, with the newly formed body including two Hindu members for the first time. The move follows changes introduced under the amended law, which allows non-Muslim members to be part of state Wakf Boards.

The Madhya Pradesh government has reorganised the 10-member Wakf Board, with chief minister Mohan Yadav appointing Sanwar Patel as its chairman.

The newly constituted board includes Manoj Malpani and Animesh Bhargava as Hindu members, making it the first state-level Wakf Board in the country to include non-Muslim members under the amended Act. A gazette notification notifying the new board was issued on Sunday.

"Madhya Pradesh has become the first state in the country to reorganise the Wakf Board under the new Act," an official told news agency PTI.

Exercising its powers under Section 13(1) of the Wakf Act, 1995, as amended in 2025, the state government constituted the board in accordance with the provisions of Section 14 of the Act.

The Wakf Board is a statutory body responsible for administering and safeguarding Wakf properties in the state. Its responsibilities include maintaining records of Wakf properties, overseeing their use and income, protecting them from encroachment and ensuring that they are utilised for religious, educational and social welfare purposes.

Besides chairman Sanwar Patel, the newly constituted board comprises Najma Heptulla from New Delhi, Atif Aqueel from Bhopal, Faizan Khan from Ujjain, Fatema Choudhary from Indore, Shaista Sultan, Shabana Khan, Manoj Malpani from Indore and Animesh Bhargava from Raghogarh in Guna.

Man kills wife with help of girlfriend, then flees to Nepal; arrested upon return;

New Delhi, Agency: A 25-year-old man and his 38-year-old partner were arrested for allegedly killing his 22-year-old wife in Manesar and fleeing to Nepal, police said on Sunday.= According to police, the accused, residents of Manesar and Aurangabad village in Jhajjar, returned to India on June 30 and were apprehended near Rishikesh, Uttarakhand. They were brought to Gurugram on Saturday and formally arrested.

Investigators said the husband spent a substantial amount on a hair transplant in Rishikesh and got both ears pierced to alter his appearance.

How did the case unfold?

Police said the couple had married in February. The murder came to light on May 22 after the victim's mother filed a missing person complaint at Manesar police station, alleging her daughter had disappeared a day earlier and suspecting the husband and his family. Within hours, police recovered the victim's body from the bathroom of a rented house in Manesar with a gunshot wound to the head. Sandeep Turan, public relations officer of Gurugram police, said the rented accommodation belonged to the partner.

Newlywed Akriti Sutar hosted office party hours before death, was not depressed, says family

New Delhi, Agency: A 28-year-old newlywed woman was found dead after allegedly falling from the third floor of an NDMC residential complex in Delhi's Lodhi Colony, with her family accusing her husband and in-laws of dowry harassment and murder. Police said they are investigating the case from all angles.

The deceased, identified as Akriti Sutar, worked as a sales executive with a private company in Chhatarpur. According to her family, she had returned to work on Saturday after being on leave following her marriage on April 24. They said she even hosted a small party for her colleagues before leaving office, rejecting any suggestion that she was depressed or suicidal.

Her family said Akriti spoke to her mother around 6 pm on Saturday and sounded cheerful. She reportedly told her she was on her way home after the office gathering.

Akriti's uncle, Mananjay Sutar, alleged that around 8 pm the family received a call from her husband, Arastu Sikka, claiming she had gone missing. About 90 minutes later, police informed them that a woman's body had been found at Palika Kunj in Lodhi Colony, nearly 10 km from the couple's residence in Pushp Vihar.

Her body was found around 9 pm and she was rushed to the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), where doctors declared her brought dead.

The family has alleged that Akriti was subjected to repeated harassment over a demand for Rs 20 lakh in dowry. They claimed her husband and his relatives had been pressuring her since the marriage and alleged that the couple had a serious argument just two days before her death.